



पडित दीनदयाल उपाध्याय
जयंती आज

दैनिक

राष्ट्रीय



गरिमा

राष्ट्र भक्ति की अलख जगाता

www.rashtriyagarima.com



राष्ट्र एक बगीचा है और हम सब इसके माली

सुविचार

चिड़चिड़ेपन को हमें हीनता की भावना का लक्षण समझना चाहिए।
- एल्फ्रेड एडलर

■ भोपाल, शुक्रवार 25 सितम्बर 2026 ■ पृष्ठ : 8, मूल्य ₹ 2 ■ वर्ष : 31, अंक : 105 ■ RNI No.61858/95 ■ Email- rgarima2005@gmail.com

सेवा करते-करते ही सेवा का संदेश दें,उपदेश नहीं : प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने गुरुवार को कहा कि सेवा ही मुख्य मकसद होना चाहिए और सेवा का संदेश, उपदेश देकर नहीं बल्कि अपने आचरण और काम के जरिए देना चाहिए। उन्होंने सेवा संकल्प यात्रा में शामिल युवाओं से कहा कि राजनीति में कितनी भी बड़ी सत्ता या ऊंचाई हासिल हो जाए, उनका रास्ता सेवा का ही रहना चाहिए और वे कभी सेवा के मार्ग से विचलित न हों। प्रधानमंत्री ने 'सेवा संकल्प अभियान' के तहत वडनगर से वाराणसी जा रहे सेवा यात्रियों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद के दौरान कहा, सेवा करते-करते सेवा का संदेश देना है, सेवा का उपदेश नहीं देना है। हम सेवा कर-करके ही सेवा का



संदेश देंगे। उन्होंने कहा कि लोगों को उनके आचरण से दिखना चाहिए कि सत्ता कितनी भी बड़ी क्यों न हो जाए, सेवा ही उनका मार्ग रहेगा। प्रधानमंत्री ने

अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के तहत 20 टोलियां 10 राज्यों के 193 जिलों, 773 तहसीलों और 10,159 गांवों से होकर गुजर रही हैं। यात्रा की कुल लंबाई करीब 35,576 किलोमीटर है और इसमें 380 रात्रि पड़ाव निर्धारित किए गए हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि यात्रा के दौरान ग्राम सभाओं, लाभार्थियों और आम नागरिकों से संवाद, वृक्षारोपण, स्वच्छता अभियान, सांस्कृतिक कार्यक्रम और अन्य सेवा गतिविधियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि भारत में यात्रा और सेवा दोनों सामाजिक संस्कारों से जुड़े रहे हैं। ऐसी यात्राएं करुणा, विनम्रता, टीमवर्क और अनुशासन सिखाती हैं तथा

समाज से जुड़ने का अवसर देती हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि राजनीति और चुनाव अपनी जगह हैं तथा शासन व्यवस्था अपनी जगह, लेकिन सेवा यात्री राष्ट्र निर्माण और विकसित भारत के संकल्प के साथ आगे बढ़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि साल 2047 तक विकसित भारत के निर्माण में युवाशक्ति की बड़ी भूमिका होगी और युवाओं को देश के विभिन्न क्षेत्रों, सामाजिक वर्गों और लोगों की आकांक्षाओं को जमीन पर जाकर समझना जरूरी है। इस दौरान उन्होंने कहा कि यात्रा युवाओं को करुणा, विनम्रता, टीमवर्क और अनुशासन सीखने का अवसर देती है। उन्होंने

नागरण सेवा, अर्थात् मानव की सेवा ही ईश्वर की सेवा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि गांवों, किसानों और स्थानीय समुदायों के पास ज्ञान और अनुभव का समृद्ध भंडार है। एक गांव का अच्छा प्रयोग दूसरे गांव के काम आ सकता है और एक क्षेत्र का अनुभव पूरे देश की शक्ति बन सकता है। उन्होंने कहा कि यात्रा के दौरान देश की विविधता में एकता को समझने और इसे दूसरे क्षेत्रों तक पहुंचाने का प्रयास किया जाना चाहिए। पीएम मोदी ने कहा कि सेवा यात्रियों की मेहनत और अनुभव विकसित भारत के निर्माण की यात्रा को गति देंगे। प्रधानमंत्री ने यात्रियों की यात्रा निर्विघ्न रहने की कामना करते हुए कहा कि उन्होंने अब तक जिस तरह काम किया है, उसी ऊर्जा के साथ आगे बढ़ते रहें।

नशा मुक्त पंजाब अभियान के समापन पर अमित शाह कटहने बड़ी जनसभा

नई दिल्ली। पंजाब में भाजपा की ओर से चलाए जा रहे 'नशा मुक्त पंजाब' अभियान का समापन 30 सितंबर को जालंधर में होगा। इस अवसर पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह जनसभा को संबोधित करेंगे। अभियान के तहत राज्य के अलग-अलग हिस्सों से निकाली जा रही चार नशा विरोधी यात्राएं भी इसी दिन जालंधर में पहुंचकर एक साथ समाप्त होंगी। भाजपा सूत्रों ने बताया कि 30 सितंबर को चारों यात्राओं के जालंधर पहुंचने के बाद समापन कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके बाद अमित शाह विशाल जनसभा को संबोधित करेंगे। जालंधर-फगवाड़ा हाई-वे के पास रेली के लिए स्थल तय किया जा चुका है और संगठन की स्थानीय इकाई ने तैयारियां शुरू भी कर दी हैं। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन गडकरी ने 18 सितंबर को पठानकोट के माधोपुर से चार अलग-अलग मार्गों से 'नशा मुक्त पंजाब यात्राएं' शुरू की थीं। यह यात्राएं कुल 13 दिनों तक चलेंगी। इन यात्राओं को राज्य की सभी 117 विधानसभा सीटों तक पहुंचाने की योजना है। चारों यात्राएं मिलकर करीब 4,000 किलोमीटर की दूरी तय कर रही हैं। पहली यात्रा की शुरुआत पठानकोट के माधोपुर स्थित एकता स्थल से हुई थी। अन्य यात्राएं फतेहगढ़ साहिब, फाजिल्का और तलवंडी साबो से शुरू की गईं। अभियान का उद्देश्य नशे के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने और इस मुद्दे पर व्यापक जनभागीदारी तैयार करना बताया गया है।

छात्र साहिल वाकोडे मौत मामले में आईआईटी बॉम्बे ने मांगी माफी

मुंबई। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे की मौत के मामले में संस्थान ने अपने पहले बयान को लेकर माफी मांगी है। आईआईटी बॉम्बे ने कहा है कि 21 सितंबर की पिछली पोस्ट को फिर से शेयर कर रहे हैं और उसमें कही गई बातों के लिए माफी मांगते हैं। संस्थान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, साहिल की दुर्भाग्यपूर्ण मौत से जुड़ी परिस्थितियों के बारे में हमारे पिछले संदेश में कही गई बातों के लिए हम माफी मांगते हैं। इस घटना से जुड़ी घटनाओं के बारे में जानकारी देना या उनके बारे में कोई राय बनाना सही नहीं था, क्योंकि ये बातें अभी तक सही जांच प्रक्रिया के जरिए साबित नहीं हुई थीं। बीटक दूसरे वर्ष के छात्र साहिल वाकोडे की आत्महत्या के बाद पिछले कई दिनों से छात्र संगठनों द्वारा लगातार विरोध प्रदर्शन किया जा रहा था और संस्थान विवादों में घिरा हुआ था। इस बीच बुधवार को खबर आई कि आईआईटी बॉम्बे में रेगुलर वलासेज फिर से शुरू हो गई हैं और कैंपस में अब कोई विरोध प्रदर्शन नहीं हो रहा है। जानकारी के अनुसार, आईआईटी बॉम्बे के कैंपस में 12,000 से ज्यादा छात्र और 700 से ज्यादा फैकल्टी सदस्य हैं। फिलहाल कैंपस के अंदर स्थिति सामान्य है।

मुख्यमंत्री ने देवास के पुंजापुरा में किया सेवा संकल्प बाइक राइडर्स का स्वागत

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सार्वजनिक जीवन के 25 वर्षों में निरंतर परिश्रम, अनुशासन और राष्ट्र धर्म की भावना के साथ काम किया है। वर्ष 2001 में गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में उनकी संवैधानिक जिम्मेदारी की शुरुआत हुई और आज वे देश के प्रधानमंत्री के रूप में राष्ट्र की सेवा कर रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने गुरुवार को सेवा संकल्प अभियान अंतर्गत वडनगर से वाराणसी जा रही युवाओं की बाइक यात्रा का देवास जिले के पुंजापुरा में स्वागत करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा कि गरीब, किसान, महिला, युवा और वंचित वर्ग के हर व्यक्ति को विकास की मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास प्रधानमंत्री मोदी की कार्यशैली में स्पष्ट दिखाई देता है। उन्होंने देश को भव्य और दिव्य श्रीराम मंदिर की सौगात दी, साथ ही राम राज्य की संकल्पना को साकार करते हुए हर गरीब को घर, पर्याप्त भोजन और बच्चों के लिए बेहतर शिक्षा सुविधा उपलब्ध कराई। मुख्यमंत्री ने सामाजिक सुरक्षा पेंशन के प्रदेश के 35 लाख 42 हजार हितग्राहियों को सिंगल क्लिक से 212 करोड़ 57 लाख रुपये की राशि उनके खातों में अंतरित की। उन्होंने करणावत पुलिस सहायता केंद्र को पुलिस थाना बनाने, पुलिस जवानों के लिए आवास निर्माण करने तथा शासकीय गोदाम के लिए राशि स्वीकृत करने की घोषणा की।



मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में सेवा संकल्प बाइक यात्रा में बाइक राइड भी की। उन्होंने मेधावी विद्यार्थियों को स्कूटी प्रदान की और हितग्राहियों को हितलाभ का वितरण किया। उन्होंने बाइक राइडर्स के साथ पौधरोपण भी किया। प्रधानमंत्री मोदी ने वडनगर से वाराणसी के लिए निकाली गई 'सेवा संकल्प बाइक यात्रा' में शामिल राइडर्स से अलग-अलग स्थानों से वरचुअली संवाद किया। देवास जिले के पुंजापुरा में मुख्यमंत्री डॉ. यादव की उपस्थिति में बाइक राइडर्स दल के सेवा यात्री दीपेश गोटी ने मुख्यमंत्री से संवाद में अब तक की अपनी यात्रा के अनुभव साझा किए। शाजापुर जिले के निवासी गोटी ने बताया कि यात्रा के दौरान अन्य राज्यों के युवाओं से दूसरी भाषाएं सीखने और उनकी संस्कृति से परिचित होने का अवसर मिला है। रास्ते में पीएम आवास के हितग्राहियों

से मुलाकात हुई। विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को नमो एपे से जोड़ा जा रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के वडनगर में स्थानीय लोगों से संपर्क बढ़ाने के सवाल पर दीपेश गोटी ने बताया कि उन्होंने अपने व्यापार-व्यवसाय की दृष्टि से कुछ स्थानीय लोगों के मोबाइल नंबर लिए हैं। इस पर प्रधानमंत्री मोदी ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि यह अच्छी बात है। अब मध्य प्रदेश का भी मिजाज बदल रहा है। मध्य प्रदेश के युवा भी जहां जा रहे हैं, वहां व्यापार के अवसर खोज रहे हैं, उनमें उद्यमशीलता भरी है। मध्य प्रदेश के युवाओं ने सेवा संकल्प यात्रा में माय प्रामिस टू मोदी जी का नवाचार किया है, जिसमें 25 सेवा कार्य लिस्ट किए हैं और हर सेवा यात्री को किसी एक सेवा का संकल्प दिलाया जा रहा है।

भारत-पाकिस्तान सीमा के नजदीक 4 पिस्तौल समेत गोला-बारूद मिला

तनतान। भारत-पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय सीमा के नजदीक खेमकरण क्षेत्र के गांव रतोकें भूप में बीएसएफ और पंजाब पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई के दौरान हथियारों और गोला-बारूद की खेप बरामद की है। एक खेत में मिले सिरिंध पैंकेट से 4 पिस्तौल, 8 मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस बरामद हुए हैं। बीएसएफ के मुताबिक 148वें बटालियन के सहायक कमांडेंट एमएस जौ अपनी टीम के साथ रात के समय सीमावर्ती इलाके में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गांव रतोकें भूप के एक खेत में पीले रंग की टेप से लिपटा हुआ लावारिस पैंकेट दिखाई दिया। सुरक्षा बलों ने सावधानी के साथ पैंकेट की जांच की, तो उसमें हथियार और कारतूस मिले। बरामद सामग्री में तुर्की पिस्तौल, चीन निर्मित एक 30 बोर पिस्तौल, 8 मैगजीन और 10 जिंदा कारतूस शामिल हैं।

ग्रेटर नोएडा में स्लीपर बस में देर रात भीषण आग से 9 यात्रियों की हुई मौत

बस में सवार सभी 35 यात्री दूरिस्ट थे और मथुरा-वृंदावन दर्शन करने जा रहे थे

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली से सटे ग्रेटर नोएडा में यमुना एक्सप्रेसवे पर देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। दयानतपुर गांव के पास 35 यात्रियों से भरी बिहार नंबर की स्लीपर बस में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने पूरी बस को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में 9 यात्रियों की मौत होने की खबर है, जबकि कई लोग घायल बताए जा रहे हैं। घायलों को इलाज के लिए कैलाशा अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक, बस ग्रेटर नोएडा से आगरा की ओर जा रही थी। दयानतपुर गांव के पास अचानक बस से धुआं निकलने लगा। आग का पता चलते ही

चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति से सीजेआई को बाहर रखने पर एससी में बंटे जज

अब सुप्रीम कोर्ट की बड़ी बेंच करेगी 2023 में बने चुनावी कानून पर फैसला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। मुख्य चुनाव आयुक्त और अन्य चुनाव आयुक्तों की चयन समिति से भारत के मुख्य न्यायाधीश को बाहर रखने वाले केंद्र सरकार के 2023 के कानून की संवैधानिक वैधता को लेकर सुप्रीम कोर्ट में दो जजों की बेंच ने विभाजित (स्प्लिट) फैसला सुनाया है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने मामले पर अलग-अलग राय जाहिर की। हालांकि, दोनों जजों ने इस बात पर सहमति जताई कि प्रभावी और अंतिम निर्णय के लिए इस मामले को प्रशासनिक स्तर पर मुख्य न्यायाधीश के समक्ष भेजा जाए, ताकि उचित संख्या वाली बड़ी संविधान पीठ का गठन किया जा सके। मामले की सुनवाई के दौरान जस्टिस दीपांकर दत्ता ने 2023 के संशोधित कानून पर कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यह मौजूदा व्यवस्था स्वतंत्र चयन प्रक्रिया सुनिश्चित करती हुई नहीं दिखती। उन्होंने कहा कि चयन समिति में प्रधानमंत्री द्वारा नामित



कैबिनेट मंत्री से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह प्रधानमंत्री की राय से अलग फैसला ले। जस्टिस दत्ता ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा कि कैबिनेट मंत्री को शामिल करने से निष्पक्ष संतुलन कायम नहीं होता और ऐसी चयन प्रक्रिया काफी हद तक केवल औपचारिकता या दिखावा बनकर रह जाती है। उन्होंने रेखांकित किया कि स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव पूरी तरह से स्वतंत्र चुनाव आयोग पर निर्भर करते हैं, ऐसे में आयोग का न केवल स्वतंत्र होना जरूरी है, बल्कि उसे जनता की नजर में स्वतंत्र दिखना भी चाहिए। दूसरी ओर, पीठ के सदस्य जस्टिस

सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस दीपांकर दत्ता के विचारों से पूरी तरह सहमत नहीं दिखे। हालांकि, केंद्र सरकार की दलीलों और संवैधानिक महत्व के गंभीर सवालों को देखते हुए दोनों न्यायाधीशों ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस कानूनी गतिरोध को सुलझाने के लिए फाइनल मुख्य न्यायाधीश को भेजी जाए। अब सीजेआई तय करेंगे कि इस मामले की अंतिम सुनवाई के लिए कितने जजों की संविधान पीठ गठित की जाएगी। इस पूरे विवाद की जड़ 2 मार्च 2023 का वह ऐतिहासिक फैसला है, जिसमें पांच जजों की संविधान पीठ ने कार्यपालिका के प्रभाव से आयोग को मुक्त रखने के लिए आदेश दिया था कि सीईसी और ईसीएस का चयन राष्ट्रपति द्वारा गठित उस तीन सदस्यीय समिति की सलाह पर होगा, जिसमें प्रधानमंत्री, लोकसभा में विपक्ष के नेता और सीजेआई शामिल होंगे। हालांकि, इसके तुरंत बाद अगस्त 2023 में केंद्र सरकार संसद में एक नया विधेयक लेकर आई, जिसमें सीजेआई को हटाकर प्रधानमंत्री द्वारा नामित एक कैबिनेट मंत्री को शामिल कर लिया गया।



चालक ने बस को सड़क किनारे रोक दिया। इसके बाद यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई और जान बचावे के लिए लोग बस से कूदकर बाहर निकलने लगे। बताया जा रहा है कि बस में सवार यात्री दूरिस्ट थे और मथुरा-वृंदावन जा रहे थे। यात्रियों में बड़ी

संख्या में बुजुर्ग महिलाएं और बच्चे शामिल थे। इनमें कुछ दिव्यांग बच्चे भी बताए जा रहे हैं। आग तेजी से फैलने के कारण कई यात्री बस के अंदर ही फंस गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। करीब एक घंटे की मशकत के

बाद आग पर काबू पाया जा सका। हालांकि, आग लगने के वास्तविक कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, आग लगने के बाद बस के अंदर कई तेज धमाके भी हुए। एक प्रत्यक्षदर्शी ने पुलिस को बताया कि धमाकों की आवाज ऐसी थी, जैसे पटाखे फूट रहे हों। आशंका जताई जा रही है कि बस में पटाखे हो सकते हैं, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी नहीं हुई है। प्रत्यक्षदर्शी ने बताया कि हादसे के समय ज्यादातर यात्री सो रहे थे। अचानक किसी ने दरवाजा खटखटाया। उठकर देखा तो बस में आग की लपटें दिखाई दे रही थीं। लोगों को अपना सामान या जूते तक उठाने का मौका नहीं मिला। कई यात्री मोबाइल लेकर किसी तरह बस से बाहर निकले।





दलौदा पुलिस ने 40 ग्राम स्मैक और 1.5 किलो डोडाचूरा पकड़ा



मोटरसाइकिल से नशे की खेप ले जाते 35 वर्षीय आरोपी गिरफ्तार

मंदसौर। अवैध मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत जिले को दलौदा थाना पुलिस ने कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके कब्जे से 40 ग्राम स्मैक और 1.5 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद किया। जब मादक पदार्थों की कुल कीमत करीब 4.03 लाख रुपए

बताई गई है। पुलिस ने आरोपी के पास से मोटरसाइकिल और मोबाइल भी जब्त किया है। पुलिस के अनुसार 24 सितंबर की रात मुखबिर से सूचना मिली थी कि एक व्यक्ति काले रंग की सुपर स्लेंडर मोटरसाइकिल क्रमांक एमपी 14 एमटी 2956 से स्मैक और डोडाचूरा लेकर भावगढ़-दलौदा रोड पर ग्राम एलची के कच्चे रास्ते से जाने वाला है। सूचना के आधार पर दलौदा पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर निगरानी शुरू की। इसी दौरान मुखबिर के बताए

हुलिए का एक व्यक्ति मोटरसाइकिल से आता दिखाई दिया। पुलिस को देखकर उसने भागने का प्रयास किया, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम आरोफ पिता इशाक अजमेरी (35) निवासी ग्राम बादखेड़ी, थाना नई आबादी, जिला मंदसौर बताया। एनडीपीएस एक्ट के प्रावधानों के तहत तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 40 ग्राम स्मैक और मोटरसाइकिल पर टंगे थैले से 1.5 किलोग्राम डोडाचूरा बरामद हुआ। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर प्रकरण दर्ज कर विवेचना में लिया है। उससे मादक पदार्थ के संबंध में अन्य तथ्यों को लेकर पूछताछ की जा रही है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 40 ग्राम स्मैक कीमत 4 लाख रुपए, 1.5 किलोग्राम डोडाचूरा कीमत 3 हजार रुपए, हीरो स्लेंडर मोटरसाइकिल कीमत 70 हजार रुपए और ओप्यो कंपनी का एंड्रॉयड मोबाइल कीमत 15 हजार रुपए का जब्त किया है।

कार्रवाई में दलौदा थाना प्रभारी उपनिरीक्षक रविन्द्र प्रताप डांगी, सहायक उपनिरीक्षक तेजसिंह डामर सहित पुलिस टीम की महत्वपूर्ण भूमिका रही। कार्रवाई पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार मीना के निर्देश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक तेरसिंह बघेल तथा एसडीओपी मंदसौर ग्रामीण जितेन्द्र भास्कर के मार्गदर्शन में की गई।

15 मांगों पर सफाई कर्मचारियों का धरना जारी, 26 से क्रमिक भूख हड़ताल की चेतावनी

मंदसौर। 15 सूत्रीय मांगों के निराकरण को लेकर नगरपालिका कर्मचारी संयुक्त मोर्चा का चरणबद्ध आंदोलन जारी है। गांधी चौराहा पर चल रहे दो दिवसीय धरने के दूसरे दिन बुधवार को बड़ी संख्या में सफाई कर्मचारियों ने पहुंचकर नारेबाजी की और मांगों के समर्थन में आवाज बुलंद की। कर्मचारियों ने चेतावनी दी कि मांगों पर समय रहते निर्णय नहीं हुआ तो 26 सितंबर से गांधी चौराहा पर अनिश्चितकालीन क्रमिक भूख हड़ताल शुरू की जाएगी। धरना स्थल पर मोर्चा की प्रतिनिधि हेमा कन्दारे और विनोद खेरालिया ने कहा कि कर्मचारी लंबे समय से अपनी मांगों को लेकर शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, लेकिन समाधान नहीं होने से कर्मचारियों में असंतोष है। मोर्चा की प्रमुख मांगों में 15 से



20 वर्षों से कार्यरत दैनिक वेतनभोगी सफाई कर्मचारियों का स्थायीकरण, सेवा के दौरान मृत्यु होने पर एक माह में अनुकंपा निधि, शहर के विस्तार को देखते हुए 100 पुरुष

और 100 महिला सफाई कर्मचारियों को भर्ती तथा ठेका, आउटसोर्स और एनजीओ व्यवस्था समाप्त करना शामिल है। कर्मचारियों ने 8 घंटे से अधिक काम लेने

अथवा अवकाश के दिन ड्यूटी कराने पर अतिरिक्त भत्ता देने, बिना पक्ष सुने सेवा से पृथक् नहीं करने, दस्तावेजों में हेरफेर करने वाले अधिकारियों पर कार्रवाई करने और कर्मचारियों के रिकॉर्ड ऑनलाइन करने की मांग भी रखी। इसके साथ ही प्रतिवर्ष वरिष्ठता सूची उपलब्ध कराने तथा प्रत्येक माह 1 से 7 तारीख के बीच वेतन भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की गई। कर्मचारियों का कहना है कि समय पर वेतन नहीं मिलने से उन्हें बैंक पेनल्टी और सिविल स्कोर प्रभावित होने जैसी आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ता है। मोर्चा ने रैलियों के बाद सफाई व्यवस्था के लिए आयोगकों से शुल्क जमा कराने तथा सेवानिवृत्ति से पहले कर्मचारियों के सभी देयकों का भुगतान करने की मांग भी उठाई है।

समन्वित प्रयासों से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मिलेगी नई गति : कलेक्टर श्री गुप्ता



विदिशा। कलेक्टर श्री अंशुल गुप्ता ने कहा कि किसानों, पशुपालकों, ग्रामीण उद्यमियों, स्वयं सहायता समूहों एवं पारंपरिक बुनकरों को वित्तीय एवं तकनीकी सहायता उपलब्ध कराने के साथ उनके उत्पादों को बेहतर बाजार से जोड़ना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने नाबार्ड, जिला प्रशासन, बैंकों, विभिन्न विभागों तथा किसान उत्पादक संगठनों के समन्वित प्रयासों से जिले में ग्रामीण क्षेत्र की आर्थिक गतिविधियों को और गति दी जा सकती है। उन्होंने कहा कि पात्र हितग्राहियों को संस्थागत ऋण की सुविधा उपलब्ध कराने के साथ-साथ उत्पादन, प्रसंस्करण एवं विपणन की पूरी श्रृंखला को

मजबूत करने पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। कलेक्टर श्री गुप्ता आज सिरोंज एवं विदिशा क्षेत्र में नाबार्ड के उप प्रबंध निदेशक श्री गोवर्धन सिंह रावत के मुख्य आतिथ्य में आयोजित विभिन्न विकासवास्तविक गतिविधियों के शुभारंभ एवं सामग्री वितरण कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर किसानों, पशुपालकों, ग्रामीण उद्यमियों एवं बुनकरों के लिए विभिन्न गतिविधियों का शुभारंभ किया गया तथा ऋण सहायता एवं आवश्यक सामग्री का वितरण किया गया। कार्यक्रम में नाबार्ड, क्षेत्रीय कार्यालय भोपाल की मुख्य महाप्रबंधक श्रीमती सी. सरस्वती, महाप्रबंधक श्रीमती अंविता सुरीन एवं श्री एस.सी. साहू सहित नाबार्ड की जिला विकास प्रबंधक

(छछरू) विदिशा श्रीमती जगप्रीत कौर सागरवात, अग्रणी जिला प्रबंधक (छरू) श्री बघेल, भारतीय स्टेट बैंक के क्षेत्रीय प्रबंधक श्री धीरज राय, मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक की क्षेत्रीय प्रबंधक श्रीमती रेखा तिवारी, विभिन्न विभागों के अधिकारी, बैंक प्रतिनिधि, किसान उत्पादक संगठन (सब्रह्म), स्वयं सहायता समूहों तथा अन्य हितधारकों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान जन कल्याण एफपीओ द्वारा तैयार जौ के आटे तथा राम जानकी एफपीओ द्वारा तैयार शरबती गेहूँ के आटे का शुभारंभ किया गया। इन गतिविधियों का उद्देश्य किसानों के उत्पादों का मूल्य संवर्धन करते हुए उन्हें बेहतर बाजार उपलब्ध कराना तथा कृषि आधारित ग्रामीण उद्यमिता को प्रोत्साहित करना है। गंजबासौदा एफपीओ को भारतीय स्टेट बैंक द्वारा कस्टम हायरिंग सेंटर की स्थापना के लिए ऋण स्वीकृत किया गया। वहीं तारावली एफपीओ को नाबार्ड द्वारा मोबाइल मिल्क चैन प्रदान की गई। कार्यक्रम में पशुपालकों को किसान क्रेडिट कार्ड (KCC) भी वितरित किए गए। कार्यक्रम में पात्र स्वयं सहायता समूहों की महिलाओं को पशुपालन गतिविधियों के लिए किसान क्रेडिट कार्ड प्रदान किए गए। इन प्रकरणों में मध्य प्रदेश ग्रामीण बैंक द्वारा क्रेडिट लिंकेज किया गया। इस पहल में राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (SRIM) एवं पशुपालन विभाग का महत्वपूर्ण सहयोग रहा। इसके माध्यम से पशुपालकों एवं महिला हितग्राहियों को संस्थागत ऋण सुविधा से जोड़ने की दिशा में पहल की गई है।

मुख्यमंत्री ने पोस्ट मैट्रिक छात्रावासों में नवनिर्मित मेस का वर्चुअल किया शुभारंभ

विदिशा। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जी ने आज भोपाल में आयोजित कार्यक्रम के माध्यम से प्रदेश में पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित पोस्ट मैट्रिक कन्या एवं बालक छात्रावास, नवनिर्मित मेस का शुभारंभ वर्चुअल माध्यम से किया है। विदिशा की पोस्ट मैट्रिक कन्या छात्रावास परिसर में नवनिर्मित मेस भी शामिल हैं। यहां आयोजित कार्यक्रम में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती गीता कैलाश रघुवंशी, नगरपालिका अध्यक्ष श्रीमती प्रीति राकेश शर्मा जिला पंचायत सीईओ सुश्री सुरभि तिवारी, सहायक संचालक पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण श्रीमती जैनब हमीद, निरीक्षक सुश्री नेहा आर्य, अधीक्षिका श्रीमती नीलू नरवरिया सहित विभागीय अधिकारी-कर्मचारी तथा छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। नवनिर्मित मेस का मुख्य उद्देश्य छात्रावासों में निवासरत विद्यार्थियों को स्वच्छ, पौष्टिक एवं गुणवत्तापूर्ण भोजन की बेहतर सुविधा उपलब्ध कराना है। मेस की सुविधा से छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को नियमित रूप से निर्धारित मापदंडों के अनुरूप भोजन उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। इससे विद्यार्थियों के स्वास्थ्य एवं पोषण स्तर में सुधार के साथ उनकी उत्पादन के लिए बेहतर वातावरण भी निर्मित होगा।

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार वृत्त-2, तहसील हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक 2547/अ-6/2026-27
ग्राम खामखेडा प0ह0न0 27

दिनांक 05/06/2028

:: ईश्टहार ::

सर्वसाधारण विषयांतर्गत लेख है कि आवेदक महेन्द्र पवार पिता तुकाराम पवार निवासी-146 खामखेडा हुजूर भोपाल म0प्र0 ने म.प्र.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विक्रय पत्र दस्तावेज क्रमांक एमपी059712016ए1007981 दिनांक 05.01.2016 के आधार पर ऋय की गई भूमि खसरा क्रमांक 871/ख में से अंश भाग रकबा 1600 वर्गफिट भूमि स्थित ग्राम खामखेडा प0ह0न0 27 तहसील हुजूर, जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया है। आवेदक ने आवेदन पत्र के साथ, रजिस्टर्ड विक्रेता पत्र की छायाप्रति एवं अन्य सुसंगत दस्तावेज प्रस्तुत किए हैं। जिसका प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है।

उक्त संबंध मे किसी व्यक्ति/संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। प्रकरण मे आगामी कार्यवाही हेतु दिनांक 29/09/2026 नियत है।

उक्त उद्घोषणा मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 05/06/2028 को जारी किया गया है।

अतिरिक्त तहसीलदार
तहसील हुजूर भोपाल

जन विश्वास अभियान में गांवों तक पहुंचा प्रशासन, ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं



मंदसौर। मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत गुरुवार को सीतामऊ क्षेत्र में विधायक हरदीप सिंह डंग और कलेक्टर दिव्यांक सिंह ने विभिन्न गांवों का भ्रमण कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं और कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया। समय-सीमा में निराकरण योग्य समस्याओं के लिए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस दौरान ग्राम केलूखेड़ी में विधायक डंग और कलेक्टर सिंह ने बायोग्रीन प्लांट का निरीक्षण किया। उन्होंने प्लांट की कार्यप्रणाली, उत्पादन क्षमता और संचालन की स्थिति की जानकारी ली। प्लांट परिसर का भ्रमण कर

तकनीकी व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। इसके बाद ग्राम बिशनिया में सहकारी संस्था और उचित मूल्य दुकान का निरीक्षण किया गया। विधायक और कलेक्टर ने राशन के स्टॉक, वितरण व्यवस्था तथा हितग्राहियों को उपलब्ध कराई जा रही सामग्री की जानकारी ली। ग्राम मोतीपुरा में प्रधानमंत्री जन आरोग्य स्वास्थ्य केंद्र और पीएम श्री स्कूल का भी निरीक्षण किया गया। यहां स्वास्थ्य एवं शैक्षणिक व्यवस्थाओं के साथ अन्य सुविधाओं की स्थिति देखी गई। इस दौरान जिला पंचायत सीईओ अनुकुल जैन, एसडीएम शिवानी गर्ग सहित जनपद पंचायत के कर्मचारी मौजूद रहे।

कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री सुरभि जैन निर्लंबित

विदिशा। शासकीय कार्यों में लापरवाही एवं कदाचरण संबंधी शिकायतों पर खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग के आयुक्त सह संचालक ने की कार्रवाई करते हुए बासौदा की कनिष्ठ आपूर्ति अधिकारी सुश्री सुरभि जैन को तत्काल प्रभाव से निर्लंबित कर दिया है। सुश्री सुरभि जैन के विरुद्ध स्थानीय जनप्रतिनिधियों एवं अन्य माध्यमों से शासकीय कार्यों के निर्वहन में लापरवाही एवं कदाचरण संबंधी शिकायतें प्राप्त हुई थीं। प्राप्त शिकायतों में मुख्य रूप से मुख्यमंत्री जन-विश्वास अभियान के क्रियान्वयन में लापरवाही, कार्यालय में नियमित रूप से विलंब से उपस्थित होने, निर्धारित मुख्यालय पर निवास नहीं करने, उचित मूल्य दुकानों से संबंधित कार्यवाहियों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण नहीं करने तथा सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों का समयावधि में निराकरण नहीं करने संबंधी आरोप शामिल हैं।

11वें राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस पर निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन

विदिशा। 11 वे राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के उपलक्ष में जिला आयुष अधिकारी विदिशा के निर्देशों के पालन में औषधालय आयुष्मान आरोग्य मंदिर खमतला में निशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया शिविर की शुरुआत भगवान धन्वंतरि के पूजन से एवं प्रसाद वितरण कर हुई तदुपरांत पोषारोपण कार्यक्रम संपादित किया गया जिसमें औषधालयीन स्टाफ द्वारा 10 औषधि पोथों का रोपण कर ग्राम वासियों को उसकी देखरेख की जिम्मेदारी सौंपी गई एवं औषधि पोथों के बारे में जानकारी दी गई इसके बाद औषधालय प्रांगण में स्वास्थ्य परीक्षण एवं रोग निदान चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया जिसमें कुल 95 रोगियों का स्वास्थ्य परीक्षण कर स्वास्थ्य लाभ हेतु औषधि दी गई और प्रकृति परीक्षा की गई एवं योग और आहार के बारे में सलाह दी गई। साथ ही साथ दिनचर्या, ऋचर्या की जानकारी औषधालय के चिकित्सक के माध्यम से प्रदाय की गई। औषधालय में पदस्थ चिकित्सा अधिकारी डॉ चेतन टिक्कस द्वारा बताया गया की इस समय मौसम में बार बार बदलाव आने के कारण बीमारियां हो रही हैं जिनके बचाव हेतु नियमित योग करें, आस पास साफ सफाई का विशेष ध्यान रखें, घर का बना स्वच्छ भोजन लें बाहरी खाने पीने की चीजों से बचें।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने समस्त भवन (मुख्यमंत्री निवास) में खनिज विभाग में नवनियुक्त अधिकारियों को नियुक्ति पत्र सौंपे ।

मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना में अधिक से अधिक युवाओं को ऑन-जॉब प्रशिक्षण से जोड़ने पर जोर

विदिशा। जिला व्यापार एवं उद्योग केन्द्र, विदिशा एवं शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) के संयुक्त तत्वावधान में आज कलेक्टर कार्यालय स्थित बेतवा सभागार में संयुक्त कलेक्टर की अध्यक्षता में बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले के प्रतिष्ठानों एवं औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधि, विभिन्न महाविद्यालयों के ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट ऑफिसर (टीपीओ) तथा संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में मध्यप्रदेश शासन द्वारा युवाओं के कौशल विकास एवं रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के लिए संचालित मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना, प्रधानमंत्री

इंटरशिप योजना, अग्रेंटिसशिप एम्बेडेड डिग्री प्रोग्राम सहित अन्य योजनाओं की विस्तारपूर्वक जानकारी दी गई। योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्योगों एवं प्रतिष्ठानों में प्रशिक्षण के साथ व्यावहारिक कार्य अनुभव उपलब्ध कराने तथा उनकी रोजगार क्षमता बढ़ाने के संबंध में चर्चा की गई। बैठक में जिले के प्रतिष्ठानों एवं औद्योगिक इकाइयों से मुख्यमंत्री सीखो-कमाओ योजना के अंतर्गत अधिक से अधिक वैकेंसी सृजित करने का आग्रह किया गया, ताकि जिले के पात्र युवाओं को उनकी शैक्षणिक योग्यता एवं कौशल के अनुरूप ऑन-जॉब प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध हो सकें।

छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ
छोटा विज्ञापन
बड़ा लाभ

व्लासीफाई विज्ञापन दरें

150/- रुपये प्रतिदिन 25 शब्दों तक

स्कीम

2 दिन के विज्ञापन पर 2 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
5 दिन के विज्ञापन पर 10 दिन अतिरिक्त प्रकाशन
10 दिन के प्रकाशन पर 20 दिन अतिरिक्त प्रकाशन

राष्ट्रीय गरिमा समाचार पत्र में विज्ञापन देकर अपने व्यापार को दें नई उड़ान

सम्पर्क करें : 8602000710, 8602000703
मात्र 1500/- रुपये में पूरे एक माह चलानें

कैद ने दी कानपुर-आन्द विहार के बीच नई दैनिक मेल ट्रेन को मजूरी

नई दिल्ली। भारतीय रेलवे ने कानपुर सेटल और आन्द विहार टर्मिनल के बीच नई दैनिक मेल ट्रेन सेवा शुरू करने को मंजूरी दी है। ट्रेन संख्या 14153/14154 नोजी हाथे के बीच रतारवा की यात्रा सुविधा प्रदान करेगा और इटावा, अलीगढ़, गाजियाबाद समेत प्रमुख स्टेशनों को जोड़ेगा। रेल कालाचक्र के अनुसार, ट्रेन संख्या 14153 कानपुर सेटल से रात 8.40 बजे रवाना होकर अलीगढ़ टिन सुबह 4.50 बजे आन्द विहार टर्मिनल पहुंचेगी।

दैनिक



भोपाल, शुक्रवार 25 सितम्बर 2026

www.rashtriyagarima.com

वोआईपी प्रमुख ने मुख्य चुनाव आयुक्त को लेकर दिया विवादास्पद बयान

पटना। विकासशील इंसान पार्टी (वोआईपी) के प्रमुख मुकेश सन्नी का मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार को लेकर बड़ा बयान सामने आया है। मुकेश सन्नी ने कहा कि अगर मुझे एक खून नकाशे होता तो ज्ञानेश कुमार को गोली मार देता। पत्रकारों से बातचीत करते हुए मुकेश सन्नी ने कहा, देश के कर्तव्यार्थी प्रधानमंत्री रह करवा रहे हैं। लोकतंत्र को कुचला जा रहा है। बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर के सिद्धान्त को कुचला जा रहा है।

2,700 रुपए की कैंसर दवा 27,000 रुपए में मिलने पर भड़का सुप्रीम कोर्ट

सुको ने कहा-यह मरीजों से दिनदहाड़े डकैती, जिम्मेदार एजेंसियां क्यों हैं स्वामोश?

नई दिल्ली। जीवनरक्षक कैसर कार्दवाओं को आसमान छूती क्रमशः पर सुप्रभातों में
कोर्ट ने बेहद कड़ा और तल्लु अण्णायाय की
डकैती करार देते हुए गहरी नाराजगी जताते हैं।
अथ सवाल उठाया कि इस खुली सरकार का
लगाम लगाने के लिए जिम्मेदार सरकारी
एजेंसियां अब तक चुप क्यों बैठी हैं। जस्टिसस् संदीप मेहता को
विचार नाम और जस्टिस संदीप मेहता को
पीठ ने दवाओं के बीच नियंत्रण (प्राइस
कंट्रोल) से जुड़ी याचिकाओं पर सुनवाई



करते हुए कहा कि मरीजों की मजबूरी का इस कदर फायदा उठाना बेहद चौंकाने वाला और

असौकाय है। पीठ ने सुनवाई के दौरान एक गंभीर उदाहरण सामने रखते हुए कहा कि जिसपर सफर दवा का 'ग्रासट ड रिहल' यानी थोक में मिलने वाला भाव केवल 2,700 रुपये है, उस पर 27,000 रुपये का एमएआरपी छाप जा रहा है। पीठ ने सख्त टिप्पणी करते हुए कहा, रिटेलर को मिलने वाले लाभ से 10 गुना अधिक एमएआरपी रखना अगर जबनर वसूली नहीं है, तो फिर क्या है? लोग कैसे इस के इलाज के लिए अपने घर, जमीन अगर गहने तक बेच देते हैं। यह मरीजों के साथ सारासरी डकैती है। अनायास इस बात पर हैरानी फैलाई कि जिन न्यायिक संस्थाओं को इस पर ज़ोरान एक्शन लेना चाहिए था, वे पूरी तरह

मोने हैं। सुप्रिम कोर्ट ने सरकारी स्वास्थ्ययोजनाओं में इसके दुरुपयोग पर भी गंभीरतापूर्वक विचारित व्यक्त की। पीठ ने कहा कि जब परीक्षण के लिए 'आयुमान भारत' जैसी सरकारी योजनाओं के तहत इलाज करते हैं, तो अप्रत्याशित दुर्घटनाओं को अत्यधिक दमिल कर दिखा सकते हैं। सरकारी से पूरा क्लेम हासिल कर सकते हैं। अदालत ने कहा कि यह पूरी कॉमन देश के आम करदाताओं की गाढ़ी कमाई से वसूलो जाति है। यह सीधे तो पर एक सुविचारित वित्तीय धोखाधड़ी का मामला बनता है, जिस पर तुरंत कड़ा अधिकार लागू हो ज़रूर है। अदालत ने दोस्त कानूनी मामलों में मांग की गई है कि दवा कंपनियों और रिटेलरों द्वारा गैर-कानूनी तरीके

से भारी मुनाफा कमाने पर लोग लगाई जाए और इस (प्राइसेज कंट्रोल) ऑर्डर, 2013 के इच्छा से लागू किया जाए। इसके साथ ही, एफ.एम.ए. अन्य याचिका में उन डॉक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की गई है जो मरीजों को सहती जेनेरिक दवाएं न लिखकर जानबूझकर महंगी ब्रांडेड दवाएं लिखते हैं। के.एस.एस.कार का ओर से पेश अतिरिक्त सॉलिडिफाइड जरूरत के.एम. नटराज ने अदालत को बताया कि सरकार द्वारा इस मामले को सकारात्मक दृष्टिकोण से देख रही है। सुप्रीम कोर्ट ने दवाओं के मूल्य निर्धारण को अत्यंत संवेदनशील और गंभीर विषय मानते हुए मामले की अगली सुनवाई 29 सितंबर तक की है।

संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कांची की आध्यात्मिक भूमि से विश्व कल्याण का संदेश

वामन जयंती पर ओरिक्रै पहुंचे संघ प्रमुख, श्री चंद्रमौलीश्वर स्वामी के अभिषेक के दर्शन किए

कांचीपुरम, (एजेंसी)। कांची की प्राचीन आध्यात्मिक भूमि से बुधवार को भारतीय संस्कृति की उस वैश्विक चेतना का संदेश निकला, जो अपने लिए ही नहीं, समूची मानवता के कल्याण की कामना करती है। वेदमंत्रों की गूंज, वैदिक अनुष्ठानों और आचार्यों के सानिध्य के बीच राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रमुख मोहन भागवत ने वामन जयंती के अवसर पर ओरिजिन में चातुर्मास्य कर रहे कांची आचार्यों से भेंट की। आयोजन में राष्ट्र और समाज के साथ पूरे विश्व की शांति, समृद्धि और सुख की कामना भारतीय संस्कृति के 'सर्वे भवन्तु सुखिनः' भाव को सामने ले आई। भागवत ने श्रीकांची कामकोट पीठम् के जगद्गुरु शंकर विजयेंद्र सरस्वती शंकराचार्य स्वामिगल द्वारा किए जा रहे श्री चंद्रमौलीश्वर स्वामी के अभिषेक के दर्शन किए। इसके बाद उन्होंने वैदिक विद्वानों द्वारा समाज, राष्ट्र और समस्त विश्व के कल्याण के लिए किए



जा रहे वेदपाठ, जप और विशेषरूप प्रार्थनाओं में भाग लिया। आदि शंकराचार्य को दिव्य पादुकाओं का टोटकाष्टकम् के पाठ के साथ विशेष पूजन हुआ। पीठम् की ओर से उन्हें पारंपरिक शिरोस्त्रज पहनाकर सम्मानित किया गया और कामाक्षी मंदिर का प्रसाद भेंट किया गया। भारतीय संस्कृति की विशेषता उसके व्यापक लोककल्याण के भाव में देखी जाती है। इसी भाव को आयोजन में परिवार और सामाजिक मूल्यों के माध्यम से भी सामने रखा गया। आचार्य और मोहन भागवत की उपस्थिति में पारंपरिक दोन्ती पूजा आयोजित हुई। 60 वर्षों का वैवाहिक जीवन चुका कर सुके 88 वर्षीयों की दंपती ने 60 वृद्ध दंपतियों का सम्मान किया। यह आयोजन पीढ़ियों के बीच सम्मान, परिवार की भूमिका और अनुभव की परंपराओं को आगे बढ़ाने का दर्शने देता नजर आया। मोहन भागवत ने 'संग्रहणीयेष्टि' श्रोत अनुष्ठान की पूर्णाहुति में भी भाग लिया। यह अनुष्ठान विश्वभर के लोगों की शांति, समृद्धि और सुख-समृद्धि की कामना के लिए किया

पया। यात्रा के दौरान संघ प्रमुख मोहन भागवत ने कांची मठ की विद्या, वेद और वेद से जुड़ी विभिन्न पहलों का अवलोकन किया। विद्यालयों, वेद पाठशालाओं, पारंपरिक शिल्प एवं मूर्तिकला प्रशिक्षण केंद्रों तथा बालिकाओं के सांस्कृतिक शिक्षा संस्थानों को देखा। उन्होंने आचार्य के आशीर्वाद से संचालित मठ प्रबंधन पाठ्यक्रम के प्रथम बैच के विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र भी प्रदान किया। यह पहल इस विचार को सामने रखती है कि संस्कृति केवल विरासत के संरक्षण का विषय नहीं, बल्कि आज वाली पीढ़ियों को ज्ञान, कौशल, अनुशासन और सामाजिक जिम्मेदारी से जोड़ने का माध्यम भी है। वेदाद्यत के साथ आधुनिक शिक्षा, शिल्प प्रशिक्षण और मंदिर प्रबंधन जैसे क्षेत्रों को जोड़ना परंपरा की वर्तमान और भविष्य से जोड़ने का प्रयास है। संसंधवालक मोहन भागवत ने ओरिक्के स्थित उस एक शताब्दी पुराने ग्रामीण घर का भी दौरा किया, जहां गुरुजी एमएस गोलवलकर ने 1955 में कांची महाश्वामी के दर्शन किए थे।

बंगाल में 2035 तक एक लाख करोड़ से अधिक का निवेश करेगा अडानी समूह

अडानी आरोग्य मंदिर के शिलान्यास समारोह के अवसर पर किया बड़ा ऐलान

कोलकाता। अडानी समूह के अध्यक्ष गौतम अडानी ने गुरुवार को न्यू टाउन में प्रस्तावित अडानी आरोग्य मंदिर के शिलान्यास समारोह के दौरान राज्य के लिए बड़े निवेश की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि इस स्वास्थ्य परियोजना में चार हजार करोड़ से अधिक का निवेश किया जाएगा, जिससे 10 हजार नए रोजगार के अवसर पैदा होने की उम्मीद है। इसके साथ ही उन्होंने बड़ा ऐलान करते हुए कहा कि उनका समूह साल 2035 तक पश्चिम बंगाल के विभिन्न क्षेत्रों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करने की योजना बना रहा है। न्यू टाउन में आयोजित भूमि पूजन कार्यक्रम में गौतम अडानी के साथ उनकी पत्नी प्रीति अडानी और बेटे करण अडानी भी शामिल हुए। शिलान्यास के दौरान बताया गया कि अडानी



आरोग्य मंदिर दो हजार बिस्तारों वाला एक गैर-लाभकारी चिकित्सा संस्थान होगा। जनसेवा को ध्यान में रखते हुए इसके कुछ बिस्तारों से एक हजार बिस्तार सरकारी और केंद्र सरकार की स्वास्थ्य बोमा योजनाओं के तहत प्राथमिक आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों के लिए आरक्षित रखे जाएंगे। इस अत्याधुनिक परिसर में सिर्फ अस्पताल ही नहीं, बल्कि एक मेडिकल कॉलेज के साथ-साथ एक उन्नत अनुसंधान सुविधाएं भी मौजूद होंगी। राज्य के प्रति अतीव प्रतिबद्धता जताते हुए गौतम अडानी

ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाएं जहां व्यक्तिगत जीवन को बदल सकती हैं, वहीं बुनियादी ढांचा लाखों लोगों के लिए उपलब्ध हो सकता को बदल सकता है और यहीं से बंगाल के प्रति उनकी बड़ी प्रतिबद्धता शुरू होती है। अपनी दोहोराकालिक योजना के तहत अंडानी समूह 2035 तक बंदरगाहों, रसद, बिजली उत्पादन, सड़कों, पुरों, राजमार्गों, हरित सीमेंट और हाइड्रोस्कैल डैमों के जैसा अंश अंश अंडानी और ढांचागत क्षेत्रों में एक लाख करोड़ रुपये से अधिक का निवेश करेगा। इसके अलावा, समूह ने कोलाकाता की एंटीहाइड्रॉ प्रशासकिक इमारत राटर्स बिल्डिंग के जीर्णोद्धार में भी अपना पूरा सहयोग देने की घोषणा की है। बंगाल की रणनीतिक स्थिति के महत्व पर प्रकाश डालते हुए अंडानी ने कहा कि इस राज्य में भारत के औद्योगिक क्षेत्रों, पूर्वोत्तर और बंगाल की खाड़ी के बीच एक प्रमुख समुद्री और रसद कड़ी के रूप में काम करने की अपेक्षा धना है।

पंजाब में ईडी की कार्रवाई पर हाईकोर्ट सख्त,आधी रात को हुई सुनवाई



**वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को
आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने
के निर्देश भी दिए**

चंडीगढ़। पंजाब में प्रवर्तन निदेशनाथी (ईडी) की ओर से की जा रही तलाशी और जन्मी की कार्रवाई को लेकर पंजाब एवं हरियाणा हाईकोर्ट ने बुधवार देर रात विशेष सुनवाई की। जस्टिस संजय वशिष्ठ की अध्यक्षता वाली पीठ ने मामले की गंभीरता को देखते हुए एक वरिष्ठ नै के वारंट अधिकांश की नियुक्ति कर ईडी की तलाशी और जन्मी की कार्रवाई की निगरानी में आदेश दिए। अदालत ने वारंट अधिकांश को कार्रवाई वाली जगह का किसी भी समय निरीक्षण करने और गुरुवार दोपहर 2 बजे तक स्थिति रिपोर्ट भेज करने

के निर्देश दिए हैं। मामले की सुनवाई देर रात शुरू हुई और रात 1 बजे के बाद तक जारी रही। सुनवाई के दौरान अदालत को बताया गया कि पंजाब में ईडी की ओर से तलाशी और जब्त की कार्यवाही का रहा है। अदालत को यह भी जानकारी दी गई कि पंजाब सरकार के वरिष्ठ स्तर के कुछ अधिकारियों को काफ़ी तौर पर हिरासत में लिया गया है। सुनवाई के दौरान यह दलील भी दी गई कि संबंधित अधिकारियों को कार्यवाही के संबंध में कोई जानकारी नहीं दी गई थी। अदालत को यह भी बताया गया कि इस घटनाक्रम के कारण पंजाब की पूरी सरकार भी मशीनरी के ठप होने जैसी स्थिति पैदा हो गई है। इन दलीलों और परिस्थितियों को ध्यान में

रखते हुए हाईकोर्ट ने मामले की निगरानी के लिए वारंट अधिकारी नियुक्त करने का फैसला किया। हाईकोर्ट ने वारंट अधिकारी को तलाशी और जब्ती की कार्रवाई वाली जगह पर जाने के लिए अधिकृत किया है। अदालत ने स्पष्ट किया कि वारंट अधिकारी किसी भी समय मौके पर जाकर स्थिति का निरीक्षण कर सकते हैं। इसके साथ ही उन्हें मौके की स्थिति और कार्रवाई से जुड़े तथ्यों की रिपोर्ट अदालत के समक्ष पेश करनी होगी। पीठ ने वारंट अधिकारी की सुरक्षा के लिए यूटी के पुलिस महानिदेशक और मोहाली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक को आवश्यक सुरक्षा व्यवस्था करने के निर्देश भी दिए हैं। हाईकोर्ट ने वारंट अधिकारी को गुरुवार दोपहर 2 बजे तक अपनी स्थिति रिपोर्ट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। इस रिपोर्ट में तलाशी और जब्ती की कार्रवाई के दौरान मौके पर सामने आए तथ्यों तथा अधिकारियों से जुड़े घटनाक्रम की जानकारी शामिल होने की उम्मीद है। पंजाब सरकार की ओर से अधिकांश फरी सौफत ने अदालत के समक्ष पक्ष रखा।

राजधानी दिल्ली में फर्जी
इंटरनेशनल कॉल सेंटर
का भंडाफोड़, 11 गिरफ्तार

नई दिल्ली। अमेरिका में बैठे लोगों को कल सपोर्ट के नाम पर इन्हें वाले गिराफ का आईएफएसओ ने भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने पीएमपुरा में फ़ापे के मकान में चल रहे कई इंटरनेशनल कॉल सेंटर पर छापा मारकर 9 महिलाओं समेत 11 आरोपितों को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 14 लाख रुपये नकद, 29 लैपटॉप, 25 मोबाइल फोन, आठ राउटर और एक कार बरामद की गई है। पुलिस के मुताबिक, गिराफ ने विदेश में बैठे पीओटीओ से करीब 100 करोड़ रुपये की ठगी की है। आईएफएसओ की 21 सितंबर को पीएमपुरा इलाके में अंधेधुं इंटरनेशनल कॉल सेंटर चलने की सूचना मिली थी। एसपी प्रेमचंद्र खड्करी के नेतृत्व में इस्पेक्टर दाखाना समेत पुलिस टीम ने शिवाजी मार्केट, पुलमपुरा गांव स्थित मकान नंबर 249 की तीसरी और चौथी मंजिल पर छापा मारा। वहां 11 लोग कॉल सेंटर चला रहे थे। पूछताछ में सामने आया कि ये लोग अमेरिका के लोगों को कल सपोर्ट कर्मचारी बनकर फोन कर रहे थे। जांच में सामने आया कि गिराफ का बैकवर्ड नेटवर्क पहले अमेरिकी नागरिकों के कंप्यूटर में मालवेयर प्रस्थापित था।



BURGO
CONSTRUCTION

BURGO CONSTRUCTION

WHERE QUALITY MEETS INNOVATION





- ✓ CONSTRUCTION
- ✓ RENOVATION
- ✓ DESIGNING
- ✓ CONSULTATION
- ✓ PLANNING
- ✓ MANAGEMENT

CALL NOW





+91-860-2000-710



WWW.BURGOCONSTRUCTION.COM



सम्पादकीय

हकीकतें सिर उठाकर खड़ी

जीडीपी आंकड़ों के जरिए अगर मकसद खुशहाली का राजनीतिक कथानक गढ़ना नहीं, बल्कि जमीनी स्थितियों का सही अंदाजा लगाना है, तो सरकार को उन पर उठाए गए प्रश्नों और आलोचनात्मक चर्चा का स्वागत करना चाहिए। नरेंद्र मोदी एससीओ शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए किर्गिजिस्तान में थे, मगर वहीं से रील बना कर उन्होंने बताया कि चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के जीडीपी आंकड़े से सारे देश में खुशी छ गई है! सत्ता पक्ष और मेनस्ट्रीम मीडिया अभी इस खुशी को बांटने में ही जुटा था कि बकौल वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल अपने को अर्थशास्त्री कहने वाले कुछ बेरोजगार लोगों ने टीवी चैनलों पर आकर देश को नुकसान पहुंचा दिया! अनुमान लगाया जा सकता है कि गोयल का निशाना पूर्व वित्त सचिव सुभाष चंद्र गर्ग की ओर है। गर्ग ने सोमवार को जारी जीडीपी आंकड़े में मौजूद तथ्यात्मक विसंगतियों की चर्चा की है। सरकार ने अभी तक नहीं बताया है कि गणना की पिछली सीरीज के आधार पर 2025–26 की पहली तिमाही में जीडीपी के 86 लाख करोड़ रुपये का होने का अनुमान लगा था, तो उसे नई सीरीज की गणना में 80 लाख करोड़ क्यों कर दिया गया? गणना में इसी गिरावट के कारण इस वर्ष की पहली तिमाही में अनुमानित 88 लाख करोड़ की नोमिनल जीडीपी साल भर पहले की तुलना में 10 फीसदी से ज्यादा बढ़ी दिखती है। बाद में सरकार ने स्पष्टीकरण जारी किया। मगर उससे गर्ग के उठाए प्रश्नों का उत्तर नहीं मिला है। बल्कि प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल जो कहा है, उससे गर्ग की दलील को बल मिलता ही मालूम पड़ा है। भारत में, खासकर नरेंद्र मोदी सरकार के दौर में, आर्थिक आंकड़ों की गणना को लेकर अक्सर सवाल उठे हैं। नई सीरीज में मैनुफैक्चरिंग के आकलन को लेकर अरविंद सुब्रह्मण्यम और आर. नागराज सहित कई अर्थशास्त्री गंभीर सवाल खड़े कर चुके हैं। अतः जीडीपी आंकड़ों के जरिए अगर मकसद खुशहाली का राजनीतिक कथानक गढ़ना नहीं, बल्कि जमीनी स्थितियों का सही अंदाजा लगाना है, तो सरकार को ऐसे प्रश्नों और चर्चा का स्वागत करना चाहिए। उससे वास्तविक विकास की नीतियां बनाने में मदद मिलेगी। लेकिन अगर मकसद खुशहाली की अयथार्थ कहानियां फैलाना है, तो उसे समझना चाहिए कि ऐसे प्रयासों की सफलता का दौर गुजर चुका है। अब हकीकतें सिर उठाकर खड़ी हो चुकी हैं।

राशिफल

मेष राशि : आज का दिन आपके लिए फेवरेबल रहेगा। आज आप तरक्की की नई ऊंचाइयों को छुगेंगे और दुनिया भर में आपका नाम होगा। आज आपको व्यापार में किसी व्यक्ति से बड़ा धन लाभ कमाने का अवसर प्राप्त होगा। आज घर में फंशशन होने से आपके शेड्यूल में बदलाव आ सकता है , जिसकी वजह से काम थोड़ा सा विलंब हो सकता है।

वृष राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहेगा। आज आप अपने व्यापारिक मामलों में किसी अनुभवी व्यक्ति से सलाह मशविरा कर सकते हैं। इस राशि के छत्र अपने कॉर्पोरेशन की तैयारी को जारी रखें , बहुत जल्द ही आपको सकारालक परिणाम हासिल होंगे। आज आपको जीवनसाथी से काम में पूरा-पूरा सहयोग मिलेगा।

मिथुन राशि : आज का दिन आपके अनुकूल बना रहेगा। आज का दिन आप अपने तरीके से बिताने की कोशिश करेंगे और आज आपका काम में भी मन लगेगा। बिजनेसमैन आज जरूरी मीटिंग अटेंड कर सकते है , जिससे आपके व्यापार को ग्वाथ मिलेगी। आज किसी से लिए उधार से छुटकारा मिलेगा, आपके सिर से बोझ हल्का होगा।

कर्क राशि : आज का दिन आपके लिए सुशियोय से भरा रहेगा। आज आपको नौकरी में आगे बढ़ने के बेहतरीन मौके मिलेंगे और आपकी आय में इजाफा होगा। आज आप कुछ वक्त बच्चों के साथ गुजारेंगे , आपको खुशी मिलेगी और आपका माइड भी फेश फील करेगा। आज आपको पैसों के मामलों में दूसरों पर जल्दतर से ज्यादा भरोसा करने से बचना चाहिए।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए बेहतर रहने वाला है। आज आपको तमाम उलझनों से मुक्ति मिलेगी और आज आपके परिवार में धार्मिक अनुष्ठान की योजना भी बन सकती है। आप अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिए कुछ अच्छे बदलाव करने की कोशिश करेंगे।

कन्या राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम साबित होगा। आज आप सबसे पहले पेंडिंग कार्यों को पूरा करेंगे , उसके बाद ही किसी अन्य कार्य की योजना बनायेंगे। आज आपको ऑफिस में किसी काम को लेकर थोड़ा विचार-विमर्श करना पड़ सकता है।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहने वाला है। आज आप बिजनेस में अच्छ धन लाभ कमायेंगे और आपकी भौतिक सुविधाओं में बढ़ोतरी होगी। आज आपको राजनीतिक रिश्तों का बड़ा फायदा होगा , कोई अटक हुआ कार्य आपका पूरा हो जायेगा।

वृश्चिक राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी नए काम की शुरुआत करने से पहले उसकी पूरी जानकारी इकट्ठा कर लें। आज आपके जीवन में जर्नी जिम्मेदारियां आणी , जिसे आप बखूबी पूरा करने में सफल रहेंगे। आज आपकी मेहनत और लगन देखकर जुनियर भी आपसे कुछ नया सीखने की कोशिश करेंगे।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज आप आपको धन लाभ कमाने के कई बेहतरीन अवसर प्राप्त होंगे, गिनका लाभ लेकर आप अपने जीवन में तरक्की कर सकते हैं। आज आप दोस्त की बर्थ-डे पार्टी में जायेंगे जहां बाकी दोस्तों के साथ खरती करने का मौका मिलेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए मिला-जुला रहेगा। आज आप मन लगाकर काम करेंगे , जिसके आपको अच्छे रिजल्ट्स मिलेंगे। आज आप जीवन साथी के साथ शांतिग करने का प्लान बनायेंगे साथ ही किसी अच्छे रेस्टोरेन्ट में भी जा सकते हैं। आज किसी जिम्मेदारी को अनदेखा करने से आपको बचना चाहिए, इससे आपकी इमेज अख़ी बनेगी।

कुंभ राशि : आज का दिन आपके लिए रोज की अपेक्षा बेहतर रहेगा। आज आप व्यापार के संबंधित मामलों को किसी करीबी की मदद से सुलझाने में सक्षम रहेंगे। आज आपका दायर्य जीवन सुधारल रहेगा और आपसी रिश्तों में मधुरता बनी रहेगी। आज आपकी गुलाकात किसी ऐसे व्यक्ति से होगी, जिससे आपको भविष्य में फायदा हो सकता है।

मीन राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप सामाजिक कार्यों में अपना योगदान देंगे , समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। आज आप घर पर डेकोरेशन का काम करना सकते है , जिससे घर आकर्षक और सुंदर लगेगा। इस राशि के रियल स्टेट का बिजनेस कर रहे व्यक्ति आज हाइसिंग प्रोजेक्ट को लॉन्च कर सकते है ।

आधुनिक भारत के शिल्पकार मोदी

अरुण साव

देश में हर दिन लगभग 34 किलोमीटर से अधिक नए राजमार्ग बन रहे हैं। केंद्र सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 35,766 करोड़ तथा राज्य मार्गों और प्रमुख पुलों के निर्माण के लिए 4,468 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। रायपुर-विशाखापट्टनम, रायपुर-बिलासपुर-कटघोरा, नागपुर-संबलपुर और रायपुर-दुर्ग बायपास जैसे महत्वपूर्ण मार्गों के निर्माण से प्रदेश की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक सुधार हो रहा है। प्रदेश में 51 हजार करोड़ रुपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर काम हो रहा है। जगदलपुर-रावघाट रेल प्रोजेक्ट बस्तर के जनजातीय समाज के लिए केन्द्र सरकार का अमूल्य उपहार है। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किलोमीटर हो जाएगा। सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों की जनसेवा की यात्रा सेवा, सुशासन और संकल्प की प्रेरणा है। वे आधुनिक भारत के शिल्पकार हैं। किसी भी योजना के प्रारम्भिक विचार से लेकर उसके क्रियान्वयन से जुड़े सभी पहलुओं पर अन्त्योदय की उनकी दृष्टि अनुकरणीय है। यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी संगठन के किसी दायित्व में रहे हों या फिर प्रधानमंत्री के वर्तमान दायित्व में हों, वे सदैव समाज के वंचित वर्ग के उत्थान को वरीयता देते हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने बीते वर्षों में अधोसंरचना को विकास और रोजगार का मजबूत आधार बनाया है। देश में हर दिन लगभग 34 किलोमीटर से अधिक नए राजमार्ग बन रहे हैं। केंद्र सरकार ने राज्य में राष्ट्रीय राजमार्गों के विकास के लिए 35,766 करोड़ तथा राज्य मार्गों और प्रमुख पुलों के निर्माण के लिए 4,468 करोड़ की स्वीकृति प्रदान की है। रायपुर-विशाखापट्टनम, रायपुर-बिलासपुर-कटघोरा, नागपुर-संबलपुर और रायपुर-दुर्ग बायपास जैसे महत्वपूर्ण मार्गों के निर्माण से प्रदेश की कनेक्टिविटी में ऐतिहासिक सुधार हो रहा है। प्रदेश में 51 हजार करोड़ रुपए की लागत से रेलवे सुविधाओं के विस्तार पर काम हो रहा है। जगदलपुर-रावघाट रेल प्रोजेक्ट बस्तर के जनजातीय समाज के लिए केन्द्र सरकार का अमूल्य उपहार है। छत्तीसगढ़ के विकास के लिए यह बड़ी उपलब्धि होगी। मोदी के नेतृत्व में वर्ष 2030 तक प्रदेश में रेल नेटवर्क दोगुना बढ़कर 2200 रूट किलोमीटर हो जाएगा। सड़कें विकास की जीवनरेखा हैं। लोक निर्माण विभाग के माध्यम से हमारा प्रयास है कि अच्छी और सुरक्षित सड़कें केवल बड़े शहरों तक सीमित न रहें, बल्कि गाँव, कस्बे, औद्योगिक क्षेत्र और दूरस्थ अंचल भी बेहतर सम्पर्क से जुड़ें। प्रधानमंत्री ने सड़क और रेल सम्पर्क को जिस तरह आर्थिक प्रगति से जोड़ा है, उसी सोच के अनुरूप छत्तीसगढ़ में भी सड़क, पुल और भवन निर्माण के कार्यों को तेसे आगे बढ़ाया जा रहा है। हमारा दूसरा बड़ा संकल्प है, हर घर तक स्वच्छ पेयजल। प्रधानमंत्री ने जल जीवन मिशन के माध्यम से देश में पेयजल को जनआंदोलन का रूप दिया है। छत्तीसगढ़ में भी ग्रामीण परिवारों तक नल से जल पहुँचाने के लिए बड़े स्तर पर काम हो रहा है। अब हमारी प्राथमिकता केवल नल कनेक्शन देना नहीं, बल्कि नियमित और



गुणवत्तापूर्ण पेयजल सुनिश्चित करना है। जलस्रोतों की स्थिरता, जल संरक्षण और भू-जल संवर्धन को भी हम इसके साथ जोड़ रहे हैं। शहर बदलेंगे, तभी विकसित छत्तीसगढ़ का सपना पूरा होगा। प्रधानमंत्री ने स्वच्छ भारत मिशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और अमृत मिशन के माध्यम से देश के शहरों के विकास की नई सोच दी है। छत्तीसगढ़ में नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग इसी दिशा में साफ-सफाई, पेयजल, सड़क, प्रकाश व्यवस्था, जल निकासी और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने पर काम कर रहा है। हमारा प्रयास है कि छोटे नगरों में भी अच्छी और आधुनिक नागरिक सुविधाएँ उपलब्ध हों। प्रधानमंत्री की नागरिकों के जीवन को सरल और सुविधाजनक बनाने की दूरदृष्टि के साथ हम छत्तीसगढ़ के शहरों में समावेशी बनाने में जुटे हैं। युवा शक्ति विकसित भारत की सबसे बड़ी ताकत है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं को खेल, कौशल, नवाचार और नेतृत्व से जोड़कर उन्हें राष्ट्र निर्माण के केंद्र में रखा है। छत्तीसगढ़ में भी खेल और खिलाड़ियों के लिए बेहतर वातावरण तैयार करना हमारी प्राथमिकता है। प्रतिभाओं को अवसर देने, खेल अधोसंरचना मजबूत करने और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करने की दिशा में लगातार काम किया जा रहा है। हमारी कोशिश है कि खेल प्रतिभाएँ केवल बड़े शहरों से नहीं, बल्कि गाँवों और जनजातीय अंचलों से भी सामने आएँ। बस्तर जैसे क्षेत्रों में खेलों

के प्रति युवाओं का बढ़ता उत्साह इसका उदाहरण है। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देने के साथ उनके भविष्य को सुरक्षित करने की दिशा में भी सरकार काम कर रही है। प्रधानमंत्री का मानना है कि देश का युवा केवल अवसर पाने वाला नहीं, बल्कि नए अवसर पैदा करने वाला भी बने। इसी भावना के अनुरूप छत्तीसगढ़ में युवाओं को कौशल, स्टार्टअप, नई तकनीक और रोजगार से जोड़ने की दिशा में काम हो रहा है। हमारा प्रयास है कि प्रदेश के युवाओं को अपनी प्रतिभा दिखाने के लिए बाहर जाने की मजबूरी न हो, बल्कि उन्हें छत्तीसगढ़ में ही आगे बढ़ने के पर्याप्त अवसर मिलें। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व, दृढ़ संकल्प एवं प्रभावी रणनीति के परिणामस्वरूप भारत तथा छत्तीसगढ़ को दशकों पुरानी नक्सल समस्या से निर्णायक मुक्ति मिली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश को वर्ष 2047 तक विकसित भारत बनाने का लक्ष्य दिया है। विकसित भारत के इस संकल्प को विकसित छत्तीसगढ़ की कार्ययोजना के साथ हम साकार करेंगे। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में हमारी सरकार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्पों को छत्तीसगढ़ की धरती पर साकार करने के लिए पूरी प्रतिबद्धता से काम कर रही है। प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में हमें विश्वास है कि छत्तीसगढ़ अपनी पूरी क्षमता के साथ विकसित भारत की यात्रा का अगुवा बनेगा। लेखक उप मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़ शासन हैं।

क्या कड़े प्रावधान से डिजिटल फ्रॉड पर लगेगा अंकुश?

ओ.पी. पाल

भारत में तेजी से हो रहे डिजिटल बदलाव ने दूरसंचार उपकरणों, खासतौर से मोबाइल ईसान के लिए रोजमर्रा की जिंदगी, व्यापार और शासन (गवर्नेंस) का एक अभिन्न हिस्सा बना दिया है। आज हमारे मोबाइल नेटवर्क और डिवाइस डिजिटल पेमेंट, ई-गवर्नेंस, ऑनलाइन वित्तीय सेवाओं और नागरिकों पर केंद्रित विभिन्न डिजिटल पहलों को सीधे तौर पर समर्थन दे रहे हैं। जैसे-जैसे इन तकनीकों पर देश की निर्भरता बढ़ती जा रही है, वैसे ही हमारे दूरसंचार नेटवर्क और डिवाइस की सुरक्षा और अखंडता (इंटैग्रिटी) को कायम रखना भी बड़ी चुनौती है, जिसमें साइबर अपराध यानी डिजिटल फ्रॉड ने बड़े पैमाने पर पांव पसार रखे हैं। हालांकि भारतीय नागरिकों के लिए भारत सरकार का संचार साथी प्लेटफॉर्म एक शक्तिशाली सुरक्षा कवच के रूप में कार्य कर रहा है लेकिन डिजिटल फ्रॉड का दायरा भी कम नहीं हुआ है। शायद इसी चुनौती का मुकाबला करने की दिशा में भारत सरकार ने टेलीकम्युनिकेशन एक्ट के तहत दूरसंचार उपकरणों मोबाइल हैंडसेट और अन्य टेलीकम्युनिकेशन डिवाइस के आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ नियमों को अत्यंत सख्त करते हुए कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। अब सवाल यही है कि क्या भारत सरकार द्वारा सख्त किये गये नियमों और प्रावधानों से देश में डिजिटल फ्रॉड पर लगाम लग पाएगी? भारत में आज की दूरसंचार यात्रा शानदार तकनीकी प्रगति और सामूहिक जिम्मेदारी, दोनों का अनूठा संगम नजर आता है। दूरसंचार विभाग के जुलाई के आंकड़ों के मुताबिक देश में सक्रिय वायरलेस मोबाइल सब्सक्राइबर्स की संख्या 1,204.01 मिलियन के आंकड़े को पार कर चुकी थी। सब्सक्राइबर्स की यह विशाल संख्या भारत के जुड़े हुए डिजिटल इकोसिस्टम के व्यापक दायरे को दर्शाती है। देश में लागू मजबूत कानूनी प्रावधान, उन्नत सरकारी वेरिफिकेशन टूल्स (जैसे संचार साथी और डिवाइस सेतु) और नागरिकों के बीच बढ़ती हुई तकनीकी जागरूकता मिलकर हमारे डिजिटल नेटवर्क को पूरी तरह सुरक्षित और भरोसेमंद बनाते हैं। इस डिजिटल भरोसे को बनाए रखने में सरकार, उद्योग जगत और आम यूजरस प्रत्येक हितधारक की अपनी एक महत्वपूर्ण भूमिका है। एक जागरूक, सतर्क और हर नियम से वाकिफ नागरिक ही किसी भी प्रकार के डिजिटल फ्रॉड और तकनीकी छेड़छाड़ के खिलाफ सबसे मजबूत सुरक्षा कवच साबित होता है। सरकार और समाज के निरंतर आपसी



सहयोग से ही आने वाली पीढ़ियों के लिए भारत की डिजिटल कनेक्टिविटी पूरी तरह सुरक्षित, संप्रभु और मजबूत बनी रहेगी। डिजिटल इकोसिस्टम का विस्तार और सुरक्षा की चुनौतियां देश में तीव्र डिजिटल विस्तार अपने साथ सुरक्षा से जुड़ी कई नई और जटिल चुनौतियां भी लेकर आया है। इनमें से एक सबसे गंभीर चिंता इंटरनेशनल मोबाइल इक्रिपमेंट आइडेंटिटी (आईएमईआई) नंबर के गलत इस्तेमाल या उससे छेड़छाड़ से जुड़ी है, जिसकी वजह साइबर अपराध बढ़ रहे हैं। आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ या उसके अनधिकृत संशोधन के कारण बदली हुई पहचान वाले उपकरणों का इस्तेमाल आसान हो जाता है, जिससे दूरसंचार नेटवर्क पर किसी भी डिवाइस की असली पहचान करना बेहद कठिन हो जाता है। इस तरह की हरकतें कानून लागू करने वाली एजेंसियों, उपभोक्ता सुरक्षा और समग्र राष्ट्रीय नेटवर्क सुरक्षा के लिए गंभीर चुनौतियां पैदा करती हैं। इसलिए, एक सुरक्षित, भरोसेमंद और मजबूत दूरसंचार इकोसिस्टम को बनाए रखने के लिए डिवाइस आइडेंटिफायर (पहचानकर्ताओं) की अखंडता को मजबूत करना आज के समय की सबसे बड़ी मांग है। ऐसे काम करता है आईएमईआई टेलीकॉम नेटवर्क की भाषा आईएमईआई की तकनीकी बनावट और इसकी कार्यप्रणाली को समझना हर जागरूक नागरिक के लिए जरूरी है। आईएमईआई एक विशिष्ट 15 अंकों का नंबर होता है जो दुनिया के दूरसंचार नेटवर्क पर किसी भी मोबाइल डिवाइस की अनूठी पहचान करता है। आईएमईआई नंबर के शुरुआती आठ अंक %टाइप एलोकेशन कोड% (टीएसी) बनाते हैं, जो सीधे तौर पर डिवाइस के मॉडल या

उसके विशेष प्रकार की पहचान करते हैं। %लोबल सिस्टम फॉर मोबाइल कम्युनिकेशंस एसोसिएशन% (जीएसएमए) टीएसी के वैश्विक आवंटन (एलोकेशन) की देखरेख करता है। जीएसएमए निर्माताओं और ब्रांड मालिकों को टीएसी जारी करता है, जिसके बाद विनिर्माता प्रत्येक डिवाइस को अलग और विशिष्ट आईएमईआई नंबर आवंटित करते हैं। आज के दौर में चलन में मौजूद डुअल-सिम फोन में आमतौर पर दो अलग-अलग आईएमईआई नंबर होते हैं यानी प्रत्येक सिम स्लॉट के लिए एक विशिष्ट पहचान संख्या है। आईएमईआई के साथ छेड़छाड़ गैर-कानूनी भारत में बनने वाले सभी संबंधित दूरसंचार उपकरणों के आईएमईआई नंबरों को पहली बार बाजार में बेचने, उनकी टेस्टिंग, रिसर्च एंड डेवलपमेंट (आर एंड डी) या अन्य किसी भी उपयोग से पहले सरकार के पास पंजीकृत कराना अनिवार्य है। यदि कोई व्यक्ति जानबूझकर मोबाइल डिवाइस इक्रिपमेंट आइडेंटिफिकेशन नंबर (आईएमईआई) को हटाना, मिटाना या उसमें बदलाव करने का प्रयास करता है या फिर जानबूझकर ऐसे हार्डवेयर या सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल करना, निर्माण करना, उसकी तस्करी करना या उस पर नियंत्रण रखना, जिसके बारे में उसे यह ज्ञात हो कि उसका उपयोग आईएमईआई से छेड़छाड़ के लिए किया जाएगा, तो उसे उभे गंभीर अपराध माना जाएगा। छेड़छाड़ किए गए या कॉम्प्लिगर किए जा सकने वाले आईएमईआई वाले उपकरणों को बेचना या उनका व्यापार करना सीधे तौर पर गंभीर कानूनी कार्रवाई को आमंत्रित करता है। छेड़छाड़ पर जुर्माना व सजा का कानूनी प्रावधान भारत सरकार ने

दूरसंचार इकोसिस्टम की पवित्रता, सुरक्षा और अखंडता को बनाए रखने के लिए एक अत्यंत मजबूत कानूनी ढांचा तैयार किया है। टेलीकम्युनिकेशन एक्ट, 2023 में मोबाइल हैंडसेट और अन्य टेलीकम्युनिकेशन डिवाइस जैसे दूरसंचार उपकरणों के आईएमईआई नंबर के साथ छेड़छाड़ करने वालों के खिलाफ नियमों को सख्त करने के साथ अत्यंत सख्त और कड़े दंड का प्रावधान किया गया है। मसलन इन प्रावधानों में धारा 42(3)(सी) के तहत किसी भी रूप में टेलीकम्युनिकेशन आइडेंटिफायर्स के साथ छेड़छाड़ करने पर पूरी तरह रोक लगाती है। वहीं धारा 42(3)(ई)- यह धारा धोखाधड़ी, जालसाजी या किसी अन्य व्यक्ति का रूप धरकर सब्सक्राइबर आइडेंटिटी मॉड्यूल (सिम) या टेलीकम्युनिकेशन आइडेंटिफायर्स हासिल करने पर प्रतिबंध लगाती है। इन नियमों का उल्लंघन करने वाले दोषियों के लिए तीन साल तक की कैद, 50 लाख रुपये तक का भारी जुर्माना, या फिर ये दोनों सजाएं एक साथ हो सकती हैं। वहीं एक्ट की धारा 42(7) के अंतर्गत इस श्रेणी के सभी अपराध संज्ञेय और गैर-जमानती घोषित किए गए हैं। इसी प्रकार धारा 42(6) के तहत भी लोग प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से ऐसे गंभीर अपराधों को करने में मदद, समर्थन या बढ़ावा देते हैं, उन्हें भी मुख्य अपराधियों की तरह ही समान रूप से दंडित किया जाएगा। यह मजबूत विधिक ढांचा देशभर में आईएमईआई से छेड़छाड़ और दूरसंचार संसाधनों के हर तरह के गलत इस्तेमाल को रोकने के लिए एक बेहद प्रभावी और निवारक उपाय साबित हो सकता है। सुरक्षा के प्रति सबकी साझा जवाबदेही भारत में किसी भी प्रकार के संबंधित दूरसंचार उपकरणों का आयात करने से पहले आयातकों को केंद्र सरकार के पास उनके आईएमईआई नंबर पंजीकृत कराने होंगे। बिना, टेस्टिंग या आरएंडडी के लिए जाए जाने वाले उपकरणों का पंजीकरण भी %डिवाइस सेतुडुआईसीडीआर% पोर्टल के जरिए ही पूरा किया जाना आवश्यक है। वहीं आयातकों को यह सत्यापित करना होगा कि आयातित उपकरणों पर केवल वैध और अधिकृत आईएमईआई नंबर ही मौजूद निर्माताओं को यह सुनिश्चित करना होगा कि प्रत्येक डिवाइस को सही, विशिष्ट और छेड़छाड़-मुक्त आईएमईआई नंबर ही आवंटित किए जाएं। ब्रांड मालिकों को यह भी सुनिश्चित करना होगा कि उनके ब्रांड नाम के तहत बेचे जाने वाले सभी उपकरण आईएमईआई पंजीकरण और नवीनतम साइबर सुरक्षा से जुड़ी सभी अनिवार्य शर्तों को पूरी तरह पूरा करते हों। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

साइंस से समझिए नींद में बड़बड़ाने के कारण

नींद में किसी व्यक्ति को बड़बड़ाते देख या सुनकर हैरत तो होती है। ऐसा क्यों होता है, इसकी जिज्ञासा होना सहज बात है। इसलिए इसके संबंध में अध्ययन होते रहते हैं। नींद में बड़बड़ाने के कई कारण और स्पष्टीकरण भी दिए जाते रहे हैं। इस सिलसिले में एक स्पष्टीकरण यह सामने आया है कि दिमाग एक साथ नहीं सोता और नींद के लिए जिम्मेदार क्षेत्र कुछ लोगों में उन हिस्सों की तुलना अधिक समय तक सक्रिय रहते हैं, जो उन्हें शांत रखते हैं। दो-तिहाई से अधिक लोग किसी न किसी समय नींद में बात करते हैं या बड़बड़ाते हैं। हालांकि, यह कोई चिंता का विषय नहीं है, लेकिन इससे पैरासोमनियास जैसे नींद में चलने की संभावना हो सकती है, जिससे परेशानी बढ़ सकती है।

दिमाग है जिम्मेदार

विज्ञानियों का मानना है कि नींद में बात करना तब होता है, जब भाषा और भाषण के लिए जिम्मेदार दिमाग के हिस्से सक्रिय होते हैं, जबकि अन्य हिस्से जो सो रहे होते हैं। अधिकांश समय, नींद में बात करने में शब्द नहीं होता। आमतौर पर यह बड़बड़ाना, हंसना या फुसफुसाना होता है। यदि कोई नींद में बात करने वाला भाषा का उपयोग करता है, तो यह सबसे सामान्यतः %नहीं% शब्द होता है।

उम्र के साथ बदलती नींद की संरचना

शोधकर्ताओं ने पाया है कि लगभग यह घटना काफी सामान्य है, जिसमें आधे समय नींद में बात करने वाला एक बोले गए प्रश्न या कथन का उत्तर देगा। अध्ययनकर्ताओं का मानना है कि नींद में बात करना बचपन में अधिक सामान्य है। ऐसा क्यों होता है, इसका कोई सटीक कारण तो अभी नहीं बताया जा सका



है, लेकिन यह तो मालूम है कि बच्चों में अधिक धीमी-तरंग नॉन-रैपिड आइ मूवमेंट (आरईएम) नींद होती है। जैसे- जैसे उम्र बढ़ती है, धीमी-तरंग नींद का अनुपात घटता जाता है। इसलिए यह संभव है कि नींद की संरचना में इस बदलाव के साथ नींद में बड़बड़ाना कम हो जाए। विज्ञानियों को पता है कि नींद में बात करना, साथ ही कई अन्य पैरासोमनियास, तब अधिक होते हैं जब व्यक्ति अत्यधिक थके होते हैं। इसलिए, जब कोई नींद में बड़बड़ाए तो उसे चिंता का विषय नहीं मानकर यह संकेत मानना चाहिए कि कुछ अतिरिक्त नींद की जरूरत है। यह बात भी भलीभांति मालूम है कि नींद का लगभग एक चौथाई हिस्सा आरईएम चरण की होती है और यह वह चरण है, जब ज्यादातर सपने विशेष रूप से जीवंत सपने आते हैं। नॉन-आरईएम नींद, जिसमें गहरी नींद के चरण शामिल होते हैं, आमतौर पर 75 से 80 प्रतिशत हिस्सा होती है। यह नींद का एक महत्वपूर्ण चरण है, जब शरीर वास्तव में धीमा हो जाता है, जिससे इसे आराम करने और खुद को ठीक करने का मौका मिलता है। लोग हर रात लगभग 90 मिनट के अंतराल पर इन चरणों के चक्रों से गुजरते हैं। नान- आरईएम नींद सोने के समय के तुरंत बाद अधिक होती है और फिर सुबह के शुरुआती घंटों में आरईएम नींद का अनुपात बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं ने पाया है कि नींद कई चीजों के लिए महत्वपूर्ण है। जब आप सोते हैं, तब आपकी कई यादें मजबूत होती हैं ताकि वे लंबे समय तक बनी रहें। नींद के दौरान बच्चों में विकास होता है, और यह एक ऐसा समय है जब आपका इम्यून सिस्टम सबसे एक्टिव होता है। नींद दिमाग और शरीर के लिए खुद को रिचार्ज करने और देखभाल करने का महत्वपूर्ण समय है।

उठते ही चक्कर आने पर हो सकता है पोश्चरल हाइपोटेंशन

सेहत का खजाना- सुबह खाली पेट पिएं भीगी अंजीर का पानी



स्वस्थ लोगों का ब्लड प्रेशर भी कई बार कम होता है। कुछ लोगों में नेचुरली ही ब्लड प्रेशर कम देखा जाता और उनकी सेहत पर इसका कोई बुरा असर भी नजर नहीं आता। लेकिन पोश्चरल हाइपोटेंशन में खड़े होने के 3 मिनट के अंदर चक्कर जैसा महसूस होता है, ऐसा ब्रेन जैसे मुख्य अंगों तक ऑक्सीजन सही तरीके से नहीं पहुंच पाने की वजह से हो सकता है। पोश्चरल हाइपोटेंशन क्या है, इसके लक्षण क्या हैं और इसे कैसे मैनेज किया जा सकता है :

- ये होते हैं लक्षण**
- चक्कर आना
 - सिर में भारीपन महसूस होना

- कंप्यूजन होना
- चक्कर खाकर गिर पड़ना
- मितली आना
- आंखों में धुंधलापन
- ध्यान ना लगा पाना
- हाथों का ठंडा पड़ना और पसीना आना
- सांसों का तेज चलना
- थकान होना

लो ब्लड प्रेशर के भी गंभीर परिणाम

वैसे तो हाई ब्लड प्रेशर को ही अक्सर हार्ट डिजीज या कई अन्य बीमारियों की बड़ी वजह माना जाता है, लेकिन लो ब्लड प्रेशर में भी इस तरह की परेशानियां हो सकती हैं :

- हार्ट डिजीज
- शरीर में ब्लड का वॉल्यूम कम होना
- गंभीर इंफेक्शन
- हॉर्मोन्स से जुड़ी समस्याएं
- गंभीर एलर्जिक रिएक्शन

ऐसे करें पोश्चरल हाइपोटेंशन को मैनेज

- सिर ऊंचा करके सोएं : सोते समय अपने सिर को 20 से 30 डिग्री तक ऊंचा रखें, इससे अचानक उठने पर ब्लड प्रेशर के लो होने के खतरे से बचे रहेंगे।
- धीरे-धीरे पोजिशन बदलें : पोजिशन बदलने के दौरान हड़बड़ी ना दिखाएं, अगर लेटे हुए हैं तो धीरे-धीरे बैठने की अवस्था में आएँ और फिर कुछ सेकंड्स के बाद खड़े हों।
- बेड का सहारा लें : सोने की पोजिशन से उठने के लिए बेड के किनारे या उसके किसी फिक्चर का सहारा लें।
- पैरों की सिंपल एक्सरसाइज : पैरों के ब्लड सर्कुलेशन को सामान्य बनाने के लिए हल्की-फुलकी स्ट्रेचिंग करें। इस दौरान कुर्सी या फिर बेड को पकड़े रहें।
- एकदम से झुकें नहीं : बेड से उठते ही एकदम से कोई सामान उठाने के लिए झुकें नहीं, इससे तेज चक्कर आ सकता है। सामान उठाने के लिए लंबी छड़ी या ठंडे का इस्तेमाल करें।

आजकल लोग हेल्दी लाइफस्टाइल अपनाने के लिए डाइट प्लान, योग, डिटॉक्स ड्रिंक और सुपरफूड्स को अपनी दिनचर्या में शामिल कर रहे हैं। लेकिन कई बार हम महंगे और मुश्किल उपाय ढूँढ रहे होते हैं, जबकि सेहत का खजाना हमारी रसोई में ही मौजूद होता है। भीगी हुई अंजीर का पानी ऐसा ही एक आसान, सस्ता और असरदार उपाय है, जो शरीर को अंदर से पोषण देकर हेल्दी लाइफस्टाइल को संतुलित बनाए रखता है। आइए जानें कैसे -

सुबह की हेल्दी शुरुआत

हेल्दी लाइफस्टाइल की शुरुआत सुबह से होती है। जब आप सुबह खाली पेट भीगी हुई अंजीर का पानी पीते हैं, तो यह शरीर को धीरे-धीरे एनर्जी देता है और पेट पर ज्यादा दबाव नहीं डालता।

पाचन तंत्र को सुधारता है

अंजीर में घुलनशील फाइबर होते हैं, जो आंतों को साफ कर कब्ज की समस्या को दूर करते हैं। हेल्दी लाइफस्टाइल का सबसे जरूरी हिस्सा है अच्छा पाचन, क्योंकि पाचन सही होगा तो शरीर पोषक तत्वों को सही ढंग से अवशोषित करेगा।

नेचुरल डिटॉक्स ड्रिंक

हेल्दी लाइफस्टाइल में डिटॉक्स बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। भीगी अंजीर का पानी शरीर से टॉक्सिन्स बाहर निकालने में मदद करता है और लिवर को साफ रखने में सहायक होता है।

वजन संतुलित रखने में मदद

यह ओवरईटिंग को रोकता है और वजन को नियंत्रित रखने में मदद करता है इसलिए यह वेट मैनेजमेंट डाइट का भी हिस्सा बन सकता है।

हड्डियों और खून के लिए फायदेमंद

अंजीर में कैल्शियम, आयरन, पोटेशियम और मैग्नीशियम जैसे मिनरल्स होते हैं। इसलिए इसका पानी पीने से हड्डियां मजबूत होती हैं और शरीर में खून की कमी को समस्या भी कम होती है।

त्वचा और बालों के लिए जरूरी

हेल्दी लाइफस्टाइल सिर्फ अंदर से नहीं, बाहर से भी दिखना चाहिए।अंजीर का पानी एंटीऑक्सीडेंट्स से भरपूर होता है,जो त्वचा को



ग्लोइंग बनाता है और बालों को मजबूती देता है।

इम्युनिटी बढ़ाता है

बार-बार बीमार पड़ना इस बात का संकेत है कि लाइफस्टाइल हेल्दी नहीं है। अंजीर का पानी शरीर की इम्युनिटी बढ़ाता है, जिससे शरीर

बीमारियों से लड़ने के लिए मजबूत होता है। अंजीर के पानी को हेल्दी लाइफस्टाइल में इसे कैसे शामिल करें—रात में 2ड्रु3 सूखी अंजीर एक गिलास पानी में भिगो दें।सुबह खाली पेट सबसे पहले ये पानी पिएं और बाद में भीगी अंजीर खा लें।

गर्दन दर्द, तकिया छोड़ने से बढ़ सकती है दिक्कत

दिनभर बैठे-बैठे गर्दन का अक? जाना और उसमें दर्द होना आम बात है, लेकिन यह दर्द अगर लंबे समय बना रहे तो सर्वाइकल पेन जैसा गंभीर रूप भी ले सकता है। कुछ लोगों को लगता है कि वो घर पर ही इसका इलाज आसानी से कर सकते हैं और इसके लिए वो सबसे पहले तरीका अपनाते हैं बिना तकिये के सोने का। क्या आपको भी ऐसा लगता है कि बिना तकिये के सोने पर गर्दन के दर्द से छुटकारा पाया जा सकता है? आइए इस मिथक की असली सच्चाई जानते हैं।

मिथक- बिना तकिये के सोना गर्दन दर्द का इलाज

कई लोग यह दावा करते दिखाई देते हैं कि गर्दन दर्द को कम करने के लिए तकिया लगाना छोड़ना पड़ेगा। लेकिन इस बात में बिल्कुल भी सच्चाई नहीं है। हमें समझने की जरूरत है कि रीढ़ की हड्डी का आकार एकदम सीधे डंडे जैसा नहीं है। गर्दन के हिस्से में इसका आकार थोड़ा सा घुमावदार होता है, जिसे सोते समय सहारा मिलना बहुत जरूरी है। इसके पीछे कई कारण जिम्मेदार हैं-

पीठ के बल सोने पर गर्दन को सहारा नहीं मिलता

गद्दा अगर अच्छी क्वालिटी का न हो और सख्त हो तो पीठ के बल बिना तकिये के सोना गर्दन के दर्द को बढ़ा सकता है। दरअसल, बिना तकिये के सिर पीछे की तरफ लटक जाता है और गर्दन के बीच में गैप आ जाता है। इसी गैप में गर्दन को आराम



के लिए सहारे की जरूरत होती है। अगर सहारा न दिया जाए तो

इससे गर्दन का कर्व फ्लैट हो सकता है, जो गर्दन की मांसपेशियों

और लिगामेंट्स पर जरूरत से दबाव बढ़ाकर स्ट्रेच कर देता है।

नतीजतन, व्यक्ति सुबह आराम की जगह पहल से कहीं ज्यादा दर्द महसूस करने लगता है।

करवट लेते समय भी गर्दन संघर्ष करती है

इतना ही नहीं, करवट लेते समय भी गर्दन को सहारे की जरूरत पड़ती है। दाएं-बाएं करवट लेते समय भी कंधे और गर्दन के बीच बड़ा गैप हो जाता है, इससे सिर गद्दे की तरफ नीचे झुकता है। इसकी वजह से गर्दन की नसों पर भयानक प्रभाव पड़ेगा और हर दिन इसी पोजिशन में सोने से नसें में भी खिंचाव होने लगता है। यह सर्वाइकल के दर्द को पहले से भी भयंकर बना देता है।

तकिया कैसा होना चाहिए?

- गर्दन दर्द में राहत पाने के लिए सोने की पोजिशन का खास ख्याल रखें और यहाँ बताई गई बातों पर ध्यान दें-
- ऐसा तकिया चुनें जो न तो ज्यादा ऊंचा हो और न ही ज्यादा चपटा।
 - सोते समय आपका माथा और ठुड्डी एक लेवल पर होनी चाहिए।
 - ठुड्डी का छाती की तरफ दबना मतलब तकिया बहुत ऊंचा है, वहीं सिर का पीछे की तरफ जाना तकिये के ज्यादा पतले होने के बारे में बताता है।
 - तकिये की मोटाई गर्दन और कंधे के बाहरी हिस्से के बीच की दूरी जितनी हो तो और बेहतर है।



बलोचिस्तान में 10 दिन के भीतर बीएलए के साथ संघर्ष में 18 सैनिक मारे गए, समूचे राज्य में 23 अक्टूबर तक निषेधाज्ञा लागू

क्रेटा (बलोचिस्तान) पाकिस्तान। देश के अशांत प्रांत बलोचिस्तान में दस दिनों (14 से 23 सितंबर) के भीतर बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) के साथ संघर्ष में सेना को भारी क्षति हुई है। बीएलए के लड़ाकों ने लड़ाई में 18 सैनिकों को ढेर कर दिया। इस बीच समूचे राज्य में 23 सितंबर से 23 अक्टूबर तक निषेधाज्ञा (धारा 144) लगा दी गई है। द बलोचिस्तान पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार बलोचिस्तान के एंड्रशानल चीफ सेक्रेटरी हमजा शफकत ने 23 सितंबर को आगामी एक माह तक निषेधाज्ञा लागू करने की अधिसूचना जारी की। इसमें कहा गया है कि इस अवधि के बीच सावजनिक स्थानों पर हथियार लेकर चलने, भीड़ एकत्र करने, धरना, रैली और प्रदर्शन पर रोक रहेगो। पांच से अधिक लोगों के एक साथ दिखने पर प्रतिबंध



रहेगा। पहचान छुपाने में मददगार चेहरा ढकने वाले कपड़े, नकाब या किसी ऐसे दूसरे तरीके के इस्तेमाल पर भी रोक लगा दी गई है। बीएलए प्रवका जैद बलोच ने कहा कि बलोचों पर जुल्म ढाने वाली

हकूमत से लोहा लेने संगठन के शहीदों का खून जाया नहीं होने दिया जाएगा।एक बयान में उन्होंने कहा कि सात दिनों में उनके लड़ाकों का 25 जगह सेना से सामना हुआ। इस दौरान पाकिस्तानी सेना के

अठारह सैनिक मारे गए और अन्य कई घायल हुए। उन्होंने मंड और खुजुदार के पुलिस स्टेशनों पर बीएलए ने कब्जा कर लिया है। इन इलाकों में मौजूद सैन्य ठिकानों को विस्फोट कर उड़ा दिया गया। प्रवका के अनुसार 14 सितंबर को पंजगुर के ग्वारगो इलाके में सेना समर्थक डेथ स्क्वाड के सदस्यों को निशाना बनाया गया। 15 सितंबर को ग्वारगो और फतेह अली के बीच सेना के स्पार्ड कैमरों के लिए लगाए गए एक कम्युनिकेशन टावर को उड़ा दिया गया। कुलवाह इलाके के बदरंग में 16 सितंबर को सेना की गाड़ियों पर हमला करके चार सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया गया। तुर्बत के कलातक इलाके में मेनो क्रॉस पर दो सैनिक मारे गए और कम से कम कार घायल हो गए। इसी तरह खारान में संघर्ष के दौरान एक

सैन्य अफसर मारा गया। उन्होंने कहा 17 सितंबर को खुजदार के सोनारो इलाके में सेना की गाड़ी को क्षतिग्रस्त कर दिया गया। इसी तारीख को खारान में लड़ाकों ने मुल्ला बख्शा मंडई के बेटे महबूब को दबोच लिया। वह पाकिस्तानी आर्मी और डेथ स्क्वॉड का टूल था। बलोच नेशनल कोर्ट उसे देशद्रोह के गंभीर जुर्म में मौत की सजा सुना चुकी है। 17 सितंबर को ही पंजगुर के ग्वारगो इलाके में लड़ाकों ने सेना के वाहन पर हमला किया। इस हमले में चार सैनिक मौके पर ही मारे गए। सेना का एक क्राइकॉप्टर भी मार गिराया गया। प्रवका ने कहा कि इन झड़पों में बीएलए के चार कमांडर शफीक उर्फ जगरिन, सकाम उर्फ मीरान, हबीब उर्फ खालिद और सफीउल्लाह उर्फ आमिर शहीद हो गए।

बाढ़ में लापता 4,655 लोग अगर तीन माह तक नहीं मिले तो मृत घोषित करने की तैयारी

काठमांडू। नेपाल सरकार विनाशकारी बाढ़ में लापता लोगों के तीन महीने तक नहीं मिलने पर उन्हें मृत घोषित कर मृत्यु पंजीकरण करने की तैयारी कर रही है। नेपाल पुलिस के प्रवका और डीआईजी अविनारायण काफ्ले के अनुसार, बाढ़ के बाद अब भी 4,655 लोग लापता हैं। उनकी तलाश जारी है। सरकार ने 'विपद् संबंधी कुछ नेपाल ऐन को संशोधन करने संबंधी ऐन, 2083' के जरिए इस संबंध में कानूनी व्यवस्था करने की प्रक्रिया आगे बढ़ाई है। प्रस्तावित कानून तत्काल लागू होने की बात कही गई है। इसके तहत गंभीर प्रकृति की आपदाओं के प्रबंधन के लिए विशेष प्रावधान किए जाएंगे। विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा व्यवस्थापन ऐन, 2074 में संशोधन कर धारा 33 (क) जोड़ने का प्रस्ताव है। इसमें गंभीर आपदा में मारे गए लोगों के शवों की तलाश, संरक्षण और परिवार को सौंपने की प्रक्रिया निर्धारित करने का प्रावधान होगा। बुधवार तक 1,436 शव बरामद किए जा चुके हैं। इनमें से 1,292 शवों की पहचान नहीं हो सकी है

और उन्हें दफना दिया गया है। शवों के डीएनए परीक्षण के जरिए पहचान होने पर उन्हें संबंधित परिवारों को सौंपने की व्यवस्था की गई है। पहचान न हो पाने वाले शवों को अलग-अलग बैग में पैक कर उनके विवरण के साथ सुरक्षित रखा गया है। पहचान होने के बाद संबंधित परिजन दफन किए गए शव को ले जा सकेंगे। अब तक 1,286 शवों और 1,997 परिजनों के डीएनए नमूने एकत्र किए गए हैं। डीआईजी काफ्ले के अनुसार, अब तक एकत्र किए गए लगभग आधे नमूनों की रिपोर्ट भी आ चुकी है। सरकार के प्रस्तावित कानून में कहा गया है कि यदि आपदा के बाद तीन महीने तक तलाश के बावजूद कोई व्यक्ति नहीं मिलता है, तो उसे मृत मानते हुए मृत्यु पंजीकरण किया जा सकेगा। लापता लोगों के परिवारों को मिलने वाली राहत के संबंध में भी कानून में स्पष्ट व्यवस्था की जा रही है। तीन महीने बाद उन्हें भी अन्य मृतकों के परिवारों के समान सरकारी राहत उपलब्ध कराने का प्रावधान किया जाएगा।



इटली में एक कोलसियम में हुए हादसे में 22 साल के एक तकनीकी कर्मचारी की मौत के बाद बैनर लेकर प्रदर्शन करते हुए लोग।

ईरान के अधिकारी मिले अमेरिका के विशेष दूत विटक्रॉफ से, अगली बैठक जल्द : ट्रंप

न्यूयॉर्क,। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने मंगलवार को कहा कि ईरान के अधिकारियों ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के दौरान अमेरिका के विशेष दूत स्टीव विटक्रॉफ के साथ तीन घंटे तक बातचीत की। उन्होंने कहा कि बहुत जल्द एक और बैठक होगी। विटक्रॉफ ने कहा कि बैठक अच्छी रही। यह जुन में स्विट्जरलैंड में अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस की ईरानी प्रतिनिधिमंडल के साथ समझौता ज्ञापन पर सहमति के लिए हुई पहली मुलाकात है। द गार्जियन की रिपोर्ट के अनुसार, ईरानी अधिकारियों ने पुष्टि की कि विटक्रॉफ के साथ हुई बैठक में उनके विदेशमंत्री अब्बास अरागची शामिल

हुए और कतर के राजनयिकों ने इसमें मध्यस्थता की। ईरान के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी संकेत दिया कि ईरान एक सप्ताह के भीतर होर्मुज जलडमरूमध्य को फिर से खोलने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि अगर अमेरिका ईरान पर सैन्य और आर्थिक दबाव को कम करने पर तैयार हो जाए तो बात बन जाएगी। उल्लेखनीय है कि इससे पहले ईरान ने होर्मुज जलडमरूमध्य खोलने के लिए सात कठिन शर्तें रखी थीं। इनमें सभी मोर्चों पर अमेरिकी युद्ध को खत्म करना और प्रतिबंधों सहित ईरान के खिलाफ सभी आक्रामक कार्रवाई को रोकना शामिल था।

राष्ट्रपति ट्रंप की एक ही शर्त, ईरान को शांति समझौता चाहिए तो पहले परमाणु कार्यक्रम छोड़े: रुबियो

न्यूयॉर्क। अमेरिका के सेक्रेटरी ऑफ स्टेट (विदेशमंत्री) मार्को रुबियो ने कहा है कि ईरान से अगर समझौता होता है तो उसे हर हाल में अपना परमाणु कार्यक्रम छोड़ना होगा। उन्होंने कहा कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप शांति समझौता करने के लिए तैयार हैं। मगर एक शर्त के साथ। वह शर्त है ईरान को परमाणु हथियारों का मोह त्यागना होगा। तब समझौता होगा और ईरान फिर महान देश बन सकेगा। उन्होंने 23 सितंबर को न्यूयॉर्क के आलीशान पैलेस होटल में खचाखच भरे संवाददाता सम्मेलन में पत्रकारों के ईरान मुद्दे के अलावा अन्य सवालों के सीधादर्पण माहौल में जवाब दिए। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ स्टेट (विदेश मंत्रालय) की वेबसाइट ने सवाल-जवाब के अलावा संवाददाता सम्मेलन का वीडियो साझा किया है। संवाददाता सम्मेलन में पहुंचते ही रुबियो ने कहा कि ठीक है, आगे बढ़िए। उनसे पहला सवाल ईरान पर पुछा गया- कल ईरानियों के साथ अमेरिका की क्या मांगें थीं और क्या समझौता (एएओयू) में लौटने पर कोई चर्चा हुई या अमेरिका के लिए शर्तें बदल गई हैं? विदेशमंत्री रुबियो ने कहा, ९०%देखिए, कल की बातचीत उस प्रक्रिया में शामिल कुछ मध्यस्थों के साथ हुई।

लैंडिंग के दौरान सीता एयर के विमान का पिछला पहिया निकला

काठमांडू। नेपालगंज से डोल्पा के लिए उड़ान भरने वाले सीता एयर के विमान का डोल्पा एयरपोर्ट पर लैंडिंग के दौरान पिछला पहिया निकल गया। हालांकि, विमान बड़े हादसे का शिकार होने से बच गया। जिला पुलिस कार्यालय डोल्पा के अनुसार, गुरुवार सुबह डोल्पा के दुर्गमाल एयरपोर्ट पर अवतरण के दौरान विमान का पिछला पहिया निकल गया। जिला पुलिस कार्यालय डोल्पा के प्रमुख पुलिस उपरीक्षक अनिल राज गिरी ने बताया कि सीता एयर का 9एन-एजेच विमान सुबह करीब 8:25 बजे जुफाल एयरपोर्ट पर उतर रहा था, तभी उसका पिछला पहिया निकल गया।

तारिक रहमान ने बांग्लादेश के रोहिंग्या मुद्दे पर दुनिया का ध्यान खींचा

न्यूयॉर्क। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने बुधवार को संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में अपने देश के रोहिंग्या मुद्दे पर दुनिया का ध्यान खींचा। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर रोहिंग्या संकट लंबे समय तक विस्थापन से त्याग और जवाबदेही के साथ टिकाऊ समाधान के लिए एक नई अपील विषयक सम्मेलन में विचार रखे। उन्होंने पांच सूत्रीय प्रस्ताव रखते हुए रोहिंग्याओं को म्यांमार भेजने का भरोसेमंद रोडमैप बनाने की अपील की। बांग्लादेश के अखबार ढाका ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, तारिक रहमान ने कहा कि अब विस्थापन को खत्म करने की ओर बढ़ने का समय आ गया है। उन्होंने कहा, अब समय आ गया है कि सहानुभूति से असली कारणों और उनके समाधानों की तलाश की जाए। भरोसेमंद कार्रवाई की जाए। प्रधानमंत्री ने यह प्रस्ताव बांग्लादेश में शरण लिए हुए 1.2 मिलियन से ज्यादा रोहिंग्याओं की बुरी हालत पर रोशनी डालते हुए दिया। तारिक विश्व समुदाय से उनकी सुरक्षित और सम्मानजनक

वापसी के लिए हालात बनाने के लिए पक्के इरादे के साथ अपनी जिम्मेदारी उठाने की अपील की। उन्होंने कहा, बांग्लादेश नहीं चाहता कि रोहिंग्या हमेशा के लिए बेघर रहें। हम चाहते हैं कि वे म्यांमार में अपने घरों में सुरक्षित, अपनी मर्जी से, सम्मान के साथ और अपने अधिकारों की रक्षा के साथ लौटें। तारिक ने आगे कहा, बांग्लादेश ने ईसानियत के साथ अपनी जिम्मेदारी निभाई है। अगर जरूरी हालात बने हैं तो बांग्लादेश उनकी वापसी में मदद करने के लिए तैयार रहेगा। इस सम्मेलन का आयोजन बांग्लादेश और गाम्बिया ने संयुक्त रूप से किया। इसमें अलग-अलग देशों और अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रतिनिधि शामिल हुए। उन्होंने म्यांमार में रोहिंग्याओं समेत आम लोगों के खिलाफ हिंसा खत्म करने की मांग की और इस बात पर जोर दिया कि वापसी के लिए भरोसा वापस पाने के लिए उनके अपने देश में उनके बुनियादी अधिकारों और सुरक्षा की गारंटी होनी चाहिए।

ईरान की पड़ोसी देशों को चेतावनी, अमेरिकी प्रतिबंधों में सहयोग पर मार्ग प्रभावित करने की धमकी

तेहरान। अमेरिका की ओर से ईरानी एयरलाइंस पर नए प्रतिबंधों की घोषणा के बीच ईरान ने पड़ोसी देशों को इन पाबंदियों को लागू करने में सहयोग नहीं करने की चेतावनी दी है। ईरान की सुप्रीम क्लियरिफिकेशन आउट्रिच के सचिव मोहसैन रेजाई ने कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों में सहयोग करने वाले देशों को जवाबी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है। ईरान के अर्ध-सरकारी स्टूटेंट न्यूज नेटवर्क (एसएनएन) को बुधवार को दिए एक साक्षात्कार में रेजाई ने पड़ोसी देशों से अमेरिकी कदमों में शामिल होने से बचने की अपील की। उन्होंने विशेष रूप से ईरानी वाणिज्यिक उड़ानों, यात्री सेवाओं और माल ढुलाई पर प्रतिबंध लगाने में सहयोग न करने को कहा। रेजाई के मुताबिक, यदि क्षेत्र के देश ईरान के हवाई परिवहन पर लगाए गए प्रतिबंधों को लागू करने में सहयोग करते हैं, तो जवाब में उन देशों के हवाई उड़ानें और विमानन मार्गों को भी बंद करने या बाधित करने की कार्रवाई की जा सकती है। उन्होंने अमेरिका के साथ भविष्य में संभावित बातचीत को लेकर भी सख्त रुख का संकेत दिया।

संक्षिप्त समाचार

नेपाल में भारी बारिश का अलर्ट, सरकार की सभी स्कूलों को 27 सितंबर तक बंद रखने की अपील

काठमांडू। देश में भारी वर्षा के अलर्ट पर सरकार ने 24-27 सितंबर तक देशभर के विद्यालयों में छुट्टी करने का अनुरोध किया है। जल तथा मौसम विज्ञान विभाग और राष्ट्रीय विपद् जोखिम न्यूनीकरण तथा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआरआरएमए)) ने इस अवधि में देश के विभिन्न हिस्सों में भारी से बहुत भारी बारिश, हिमपात और आकाशीय बिजली गिरने की संभावना जताई है। एनडीआरआरएमए के पूर्वानुमान के आधार पर शिक्षा तथा खेलकूद मंत्रालय ने सभी शिक्षा विकास एवं समन्वय इकाइयों को पत्र भेजकर स्थानीय निकायों के साथ समन्वय करते हुए आवश्यकतानुसार विद्यालयों में छुट्टी करने के निर्देश दिए हैं। मंत्रालय के सह सचिव श्रीप्रसाद भट्टराई की विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रतिकूल मौसम के कारण बाढ़, भूस्खलन, जलभराव, नदी कटान और सड़क अवरोध जैसे जोखिम पैदा हो सकते हैं। मंत्रालय ने लोगों से भयभीत होने के बजाय पूर्व तैयारी और सावधानी बरतने का आग्रह किया है। साथ ही विद्यार्थियों, बच्चों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए विद्यालयों में छुट्टी की व्यवस्था के लिए आवश्यक समन्वय और सहजीकरण करने को कहा गया है। मंत्रालय ने इस दौरान निर्धारित विश्वविद्यालयों और अन्य परीक्षा संचालित करने वाले निकायों की परीक्षाओं को भी आवश्यकतानुसार स्थगित करने का निर्देश दिया है। विपदा की स्थिति में यदि सुरक्षित विद्यालय भवनों को अस्थायी आश्रयस्थल के रूप में इस्तेमाल करने की आवश्यकता पड़े, तो स्थानीय निकायों को इसके लिए सहयोग और समन्वय करने का निर्देश संबंधित निकायों को दिया गया है। मंत्रालय ने अभिभावकों से विशेष अपील करते हुए कहा है कि वे अपने बच्चों को नदी, नाले, पोखरी तथा भूस्खलन के जोखिम वाले स्थानों पर जाने से रोकें और मौसम की स्थिति को देखते हुए उच्च सतर्कता बरतें।

नेपाल ने पुनर्निर्माण के लिए जर्मनी से सहयोग मांगा

काठमांडू। नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने हाल में आई बाढ़ से प्रभावित क्षेत्रों की पुनर्स्थापना, पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए जर्मनी से सहयोग मांगा है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अवसर पर न्यूयॉर्क स्थित संयुक्त राष्ट्र मुख्यालय में जर्मनी की आर्थिक सहयोग एवं विकासमंत्री रिम अलाबाली राडोवान के साथ द्विपक्षीय 'साइडलाइन' बैठक में मंत्री खनाल ने आपदा के बाद पुनर्निर्माण के साथ-साथ जलवायु-लचीलेपन, आपदा पूर्व तैयारी और क्षमता विकास में अतिरिक्त निवेश की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेशमंत्री खनाल ने नेपाल की विकास प्रक्रिया में जर्मनी की ओर से लंबे समय से दिए जा रहे महत्वपूर्ण सहयोग की सराहना की। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन से उत्पन्न चुनौतियों का सामना करना पूरे अंतरराष्ट्रीय समुदाय की साझा जिम्मेदारी है। राडोवान ने नेपाल में हाल में आई विनाशकारी आपदा को वैश्विक साझा चुनौती बताते हुए कहा कि जर्मनी नेपाल को वित्तीय और मानवीय सहायता उपलब्ध कराने के लिए प्रतिबद्ध है। बैठक में नेपाल-जर्मनी के बीच द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ। दोनों पक्षों ने पारस्परिक हित के क्षेत्रों में सहयोग को आने वाले दिनों में और मजबूत एवं गहरा बनाने की प्रतिबद्धता भी व्यक्त की।

जलवायु आपदा से उबरने के लिए नेपाल को दीर्घकालीन अंतरराष्ट्रीय सहयोग जरूरी : विदेशमंत्री शिशिर खनाल

काठमांडू। नेपाल के विदेशमंत्री शिशिर खनाल ने जलवायुजनित आपदाओं से प्रभावित नेपाल में पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए दीर्घकालीन अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया है। संयुक्त राष्ट्र महासभा के 81वें सत्र के अवसर पर आयोजित जी-7 विकास मंत्रीस्तरीय बैठक को संबोधित करते हुए खनाल ने नेपाल में हाल की जलवायुजनित आपदा की स्थिति का उल्लेख किया और अंतरराष्ट्रीय सहयोग की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने पीड़ितों के पुनर्वास, जलवायु वित्त, आपदा पूर्व तैयारी, बहुपक्षीय वित्तीय सहयोग और हिमालयी क्षेत्र से जुड़े मुद्दों पर जी-7 के सहयोग और साझेदारी का आह्वाण किया। नेपाल का प्रतिनिधित्व करते हुए खनाल ने जलवायु आपदा की कठिन परिस्थितियों में नेपाल के प्रति एकजुटता और सहयोग के लिए जी-7 सदस्य देशों तथा अन्य मित्र राष्ट्रों के प्रति नेपाल सरकार और नेपाली जनता की ओर से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा, नेपाल जलवायु परिवर्तन, सतत विकास, लचीलापन और आपदा जोखिम न्यूनीकरण के क्षेत्रों में अंतरराष्ट्रीय सहयोग को आगे बढ़ाने में जी-7 के नेतृत्व को उच्च सराहना करता है। उन्होंने बैठक के आयोजन के लिए जी-7 की अध्यक्षता कर रहे फ्रांस को भी धन्यवाद दिया। पुनर्निर्माण के लिए 5 अरब डॉलर से अधिक की जरूरत मंत्री खनाल ने कहा कि हाल की जलवायुजनित आपदा से नेपाल में मानवीय और भौतिक क्षति बेहद व्यापक हुई है। बाढ़ से घरों, सड़कों, पुलों, स्कूलों, स्वास्थ्य संस्थानों और जलविद्युत बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। इससे जनजीवन के साथ-साथ आवश्यक सेवाएं भी प्रभावित हुई हैं। उन्होंने बताया कि प्रारंभिक आकलन के अनुसार पुनर्वास और पुनर्निर्माण के लिए 5 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक की आवश्यकता होगी। आपदा के वैज्ञानिक अध्ययन का काम जारी होने की जानकारी देते हुए खनाल ने कहा कि शुरुआती विवरणों के अनुसार तेजी से गर्म हो रहे हिमालयी वातावरण में बर्फ, चट्टान, पानी और अस्थिर भू-आकृतियों के बीच जटिल अंतःक्रिया के कारण यह आपदा उत्पन्न हुई हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसका विस्तृत अध्ययन अभी जारी है। उन्होंने बताया कि सरकार ने जलवायु परिवर्तन के साथ-साथ भूगर्भीय, हिमनदीय और जलविज्ञान संबंधी कारणों का अध्ययन करने के लिए विशेषज्ञ समिति का गठन किया है।

यूक्रेन में रूसी हमलों में सात लोगों की मौत, कीव में ड्रोन हमलों से मचा हड़कंप

कीव। यूक्रेन में बुधवार को रूसी हमलों की एक नई लहर में कम से कम सात लोगों की मौत हो गई। हमलों में राजधानी कीव समेत देश के कई हिस्सों में लॉजिस्टिक्स और बुनियादी ढांचे की निशाना बनाया गया। कीव में दो लोगों की मौत हुई, जबकि स्थानीय अधिकारियों के अनुसार 41 लोग घायल हुए हैं। यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने कहा कि रूस ने राजधानी पर बड़ी संख्या में ड्रोन दागे। यह हमला ऐसे समय हुआ जब जेलेंस्की न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा को संबोधित करने वाले थे। उनके भाषण में रूस के ड्रोन और मिसाइल हमलों से निपटने के लिए बेहतर वायु रक्षा व्यवस्था की मांग किए जाने की उम्मीद थी। यूक्रेनी अधिकारियों के अनुसार, रूसी ड्रोन ने पेट्रोल पंपों, कार्यालयों, कारोबारी प्रतिष्ठानों और रेलवे से जुड़े बुनियादी ढांचे को निशाना बनाया। यूक्रेन रेलवे के प्रमुख ओलेक्सान्द्र पत्सोव्स्की ने कहा कि कीव का रेल नेटवर्क भी हमले की चपेट में है। उन्होंने यात्रियों से विशेष सावधानी बरतने की अपील की। पूर्वी डोनबास क्षेत्र में क़्रामातोर्सक के पश्चिम स्थित ओलेक्सान्द्रिव्का में एक आवासीय इमारत पर हमले में कम से कम चार लोगों की मौत हुई, जिनमें एक बच्चा भी शामिल है। यूक्रेन के मानवाधिकार आयुक्त दिमित्रो लुबिनेन्स ने कहा कि चार अन्य लोग घायल हुए हैं और मलबे में कई और लोगों के दबे होने की आशंका है।



खेल/व्यापार

पुणे करेगा यूसीआई रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप 2032 की मेजबानी, पहली बार भारत में आयोजन



नई दिल्ली। पुणे ने 2032 की यूनिन साइकलिस्ट इंटरनेशनल (यूसीआई) रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप की मेजबानी का अधिकार हासिल कर लिया है। इसके साथ ही पहली बार साइकिलिंग की इस प्रतिष्ठित वैश्विक प्रतियोगिता का आयोजन भारत में होगा। महाराष्ट्र सरकार और साइकलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (सीएफआई) ने भारत सरकार के समर्थन से पुणे को दावेदारी पेश की थी। एक प्रेस रिलीज में यह जानकारी दी गई। यूसीआई कांग्रेस में कनाडा के मॉन्ट्रियल में पुणे की अंतिम प्रस्तुति के बाद मेजबानी की घोषणा की गई। इस अवसर पर महाराष्ट्र सरकार का एक वरिष्ठ प्रतिनिधिमंडल भी मौजूद था। यूसीआई रोड वर्ल्ड चैंपियनशिप अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग कैलेंडर

की सबसे प्रतिष्ठित प्रतियोगिताओं में शामिल है, जिसमें दुनिया के शीर्ष साइकलिस्ट इंद्रधनुषी जसी के लिए प्रतिस्पर्धा करते हैं। साल 2025 में रवांडा के किगाली में आयोजित चैंपियनशिप में 113 देशों के 734 साइकलिस्टों ने हिस्सा लिया था और करीब 20 लाख दर्शक पहुंचे थे। भारत के लिए यह आयोजन देश में वैश्विक साइकिलिंग समुदाय को लाने के साथ-साथ खिलाड़ियों के विकास, बुनियादी ढांचे, खेल में भागीदारी और विशेषज्ञता को बढ़ाने का अवसर होगा। पुणे की दावेदारी में भारत के बड़े साइकिलिंग आधार, जमीनी स्तर पर बढ़ती लोकप्रियता और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की मेजबानी के अनुभव को प्रमुखता दी गई। साल 2026 पुणे ग्रैंड टूर ने

भी बड़े आयोजन के संचालन की क्षमता प्रदर्शित की। इस प्रतियोगिता के दौरान 25 से अधिक सरकारी विभागों के बीच समन्वय और 437 किलोमीटर रस-रेडी सड़कों की व्यवस्था की गई थी। 2032 तक पुणे को छह वर्षों का ग्रैंड टूर अनुभव प्राप्त हो जाएगा। यूसीआई अध्यक्ष डेविड लैपार्टिएंट ने कहा कि पुणे ग्रैंड टूर से संबंधित रिपोर्ट बेहद उत्साहजनक है। उन्होंने कहा कि भारत में साइकिलिंग के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं और प्रमुख हितधारकों की प्रतिबद्धता इस खेल के भविष्य के लिए सकारात्मक संकेत है। पुणे के जिला कलेक्टर जितेंद्र दुदी ने कहा कि यह पुणे और भारत के लिए महत्वपूर्ण अवसर है। उनके अनुसार, चैंपियनशिप की मेजबानी से एलीट खेल के साथ जनभागीदारी, पर्यटन, आर्थिक गतिविधियों और वैश्विक स्तर पर पुणे की पहचान को बढ़ावा मिलेगा। साइकलिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया के महासचिव मनिंदर पाल सिंह ने कहा कि 2032 तक का समय भारतीय खिलाड़ियों, कोचों और तकनीकी अधिकारियों के लिए बेहतर अवसर और मजबूत प्रणाली तैयार करने में इस्तेमाल किया जाएगा। उन्होंने कहा कि भारत का लक्ष्य अंतरराष्ट्रीय साइकिलिंग के उच्चतम मानकों के अनुरूप अपना तंत्र विकसित करना है। पुणे में 2032 की चैंपियनशिप प्रस्तावित 2036 ओलंपिक की मेजबानी से चार साल पहले होगा।

देवरिया : 70वीं प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय कुश्ती प्रतियोगिता 25 सितंबर से, तैयारियां पूरी

देवरिया, । उत्तर प्रदेश में पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज देवरिया में 25 से 29 सितंबर तक 70वीं प्रदेशीय माध्यमिक विद्यालयीय कुश्ती (ग्रीको-रोमन एवं फ्रीस्टाइल) बालक-बालिका प्रतियोगिता होगी। प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर गुरुवार को विद्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता में प्रधानाचार्य रामकिंकर मिश्र ने व्यवस्थाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में प्रदेश के 18 मंडलों के अलावा स्पोर्ट्स कॉलेज गोरखपुर, स्पोर्ट्स कॉलेज सैफई और कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की टीमें प्रतिभाग करेंगी। खिलाड़ियों के उद्देश्य के लिए बालक और बालिकाओं की अलग-अलग व्यवस्था की गई है। बस स्टेशन और रेलवे स्टेशन पर खिलाड़ियों की सहायता के लिए हेल्प डेस्क बनाए गए हैं। आवासीय विद्यालयों में सुरक्षा, साफ-सफाई, प्रकाश और पेयजल व्यवस्था की निगरानी के लिए प्रधानाचार्यों को नोडल बनाया गया है। जिला

प्रशासन की ओर से सुरक्षा गार्ड तथा चिकित्सा विभाग की ओर से खेल मैदान में एंबुलेंस और चिकित्सकों की टीम तैनात रहेगी। नगर पालिका की ओर से पेयजल और साफ-सफाई की व्यवस्था की गई है। खेल प्रशिक्षकों के उद्देश्य की व्यवस्था शहर के विभिन्न होटलों में की गई है। सूचनाओं के त्वरित आदान-प्रदान के लिए राजकीय इंटर कॉलेज में कंट्रोल रूम बनाया गया है। आयोजन के लिए उद्घाटन, समापन, पुरस्कार, आवास, मीडिया, अनुशासन, तकनीकी और चिकित्सा समेत विभिन्न समितियां गठित की गई हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन 25 सितंबर को कृषि मंत्री सूर्य प्रताप शाही करेंगे। अध्यक्षता जिला पंचायत अध्यक्ष/प्रशासक पंडित गिरीश चंद्र तिवारी करेंगे। कार्यक्रम में जिलाधिकारी, पुलिस अधीक्षक, मुख्य विकास अधिकारी समेत शिक्षा विभाग के अधिकारी, प्रधानाचार्य, खेल शिक्षक और अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहेंगे।



जापान के नगोया में पुरुष युगल स्कल्स ऑफ रोविंग में पदक जीतने के बाद मंच पर एकसाथ नजर आये स्वर्ण , रजत और कांस्य विजेता खिलाड़ी।

व्यापार समाचार

संक्षिप्त समाचार

उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए प्रमुख खाद्य तेलों पर आयात शुल्क घटा, नई दरें लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने त्योंहारी सीजन से पहले उपभोक्ताओं को राहत देने के लिए सोयाबीन, पामऑयल और सनफ्लावर जैसे प्रमुख खाद्य तेलों पर लगने वाले आयात शुल्क में भारी कटौती की है। नई दरें 24 सितंबर से लागू हो गई हैं। सरकार की अधिसूचना के मुताबिक कच्चे सूरजमुखी के तेल पर मूल सीमा शुल्क को 10 फीसदी से घटाकर शुन्य कर दिया गया है, जबकि कच्चे सोयाबीन तेल और कच्चे पाम तेल पर बीसीडी 10 फीसदी से घटाकर 5 फीसदी किया गया है। इसके साथ ही केंद्र सरकार ने संबंधित परिष्कृत खाद्य तेलों पर लागू बीसीडी को कम कर दिया है, जबकि कच्चे और परिष्कृत खाद्य तेलों के बीच आयात शुल्क का अंतर 19.25 फीसदी बनाए रखा है। केंद्र सरकार ने घरेलू खाद्य तेलों की कीमतों को नियंत्रित करने, उपभोक्ताओं को राहत प्रदान करने और अंतरराष्ट्रीय खाद्य तेलों की कीमतों में तीव्र वृद्धि से उत्पन्न मुद्रास्फीति के दबाव को कम करने के उद्देश्य से प्रमुख आयातित कच्चे खाद्य तेलों पर मूल सीमा शुल्क (बीसीडी) को घटाया गया है। सरकार ने खाद्य तेल संधों और उद्योग के हितधारकों को एक सलाह भी जारी की है, ताकि आयात शुल्क में कमी से होने वाला पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जा सके। उद्योग के हितधारकों से अनुरोध किया गया है कि वे लागत में कमी के अनुरूप वितरकों के लिए मूल्य (पीटीडी) और अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) में तत्काल संशोधन करें। खाद्य तेल संधों से भी अनुरोध किया गया है कि वे अपने सदस्यों को संबंधित मूल्य कटौती को बिना विलंब किए लागू करने की सलाह दें। आयात शुल्क में युक्तिकरण करते समय अंतरराष्ट्रीय खाद्य तेलों की कीमतों में वृद्धि और परिणामस्वरूप घरेलू बाजार में लागत और खुदरा कीमतों में हुई बढ़ोतरी को ध्यान में रखा गया है।

शेयर बाजार में बड़ी गिरावट, सेंसेक्स 1248

अंक लुढ़का, निपटी भी 384 अंक टूटा

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में उछाल के बीच हफ्ते के चौथे कारोबारी दिन गुरुवार को शेयर बाजार तेज गिरावट का सफे बंद हुआ। बाजार का मानक सूचकांक बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 1248 अंक लुढ़क गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निपटी भी 384 अंक के नुकसान में रहा। यह दोनों प्रमुख सूचकांकों के लिए 08 जुलाई के बाद सबसे बड़ी एकदिनी गिरावट रही। कारोबार के अंत में तीस शेयरों पर आधारित बीएसई का सेंसेक्स 1,247.71 अंक यानी 1.67 फीसदी लुढ़क कर 73,580.54 अंक पर बंद हुआ है। सेंसेक्स कारोबार के दौरान एक समय 1,264.33 अंक की गिरावट के साथ 73,563.92 के स्तर पर आ गया था। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निपटी भी 383.70 अंक यानी 1.64 फीसदी टूटकर 23,063.10 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल 30 कंपनियों में से 29 के शेयर गिरावट के साथ बंद हुए। इसमें बजाज फाइनेंस में सबसे अधिक 5.47 फीसदी, एक्सिस बैंक में 4.67 फीसदी, बजाज फिनसर्व में 4.06 फीसदी, इंटरग्लोब एविएशन में 2.78 फीसदी, टैट में 2.75 फीसदी और महिंद्रा एंड महिंद्रा में 2.31 फीसदी की गिरावट रही। एनटीपीसी का शेयर अपरिवर्तित रहा। इसके अलावा एशिया के अन्य शेयर बाजारों में जापान का निक्की बढ़त में बंद हुआ, जबकि चीन में शंघाई एसएसई कम्पोजिट और हांगकांग का हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए हैं। वहीं, यूरोप के प्रमुख शेयर बाजारों में दोपहर के कारोबार में गिरावट का रुख था। अमेरिकी मुद्रा डॉलर के मुकाबले में रुपये की विनिमय दर 23 पैसे टूटकर 95.96 (अस्थायी) प्रति डॉलर पर रहा। इस बीच नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड का शेयर आज अपने पहले कारोबारी दिन में करीब दो फीसदी बढ़कर 1,818 रुपये पर बंद हुआ है। इसके साथ एनएसई का बाजार मूल्यांकन 4.49 लाख करोड़ रुपये रहा।

नई दिल्ली, । घरेलू सर्राफा बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान चेन्नई के अलावा ज्यादातर दूसरे सर्राफा बाजार में तेजी का रुख बना हुआ है। दूसरी ओर चेन्नई में आज सोने के भाव में गिरावट दर्ज की गई है। वहीं चांदी के भाव में आज लगातार दूसरे दिन कोई बदलाव नहीं हुआ है। सोने की कीमत में बदलाव होने के कारण चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में सोना 970 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,040 रुपये प्रति 10 ग्राम तक महंगा हो गया है। वहीं चेन्नई में सोना 500 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 550 रुपये प्रति 10 ग्राम तक सस्ता हो गया है। कीमत में हुए इस परिवर्तन की वजह से देश के ज्यादातर सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम से लेकर 1,54,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर



पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सर्राफा बाजार में आज भी 2,49,900 रुपये से लेकर 1,41,510 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी के भाव में बदलाव

बैंकों की हड़ताल के चलते केंद्रीय कर्मचारियों को वेतन भुगतान 25 सितंबर को करने का निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने 28 से 30 सितंबर तक सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों के प्रस्तावित तीन दिवसीय हड़ताल के कारण केंद्रीय कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सितंबर माह की सैलरी और पेंशन का भुगतान 25 सितंबर को ही जारी करने का निर्देश दिया है। वित्त मंत्रालय के व्यव विभाग ने 23 सितंबर को जारी एक ऑफिस मेमोर्डंडम (ओएफ) में केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों के लिए सैलरी और पेंशन का भुगतान जल्दी करने की जानकारी दी। व्यव विभाग ने बैंकों के अधिकारियों एवं कर्मचारियों की तीन दिवसीय राख्य्यापी हड़ताल को देखते हुए मंत्रालयों एवं विभागों को निर्धारित समय से पहले 25 सितंबर को ही सैलरी का भुगतान करने को कहा है। मंत्रालय ने कहा कि आदेश के

अनुसार तीन दिवसीय बैंक हड़ताल के दौरान बैंकिंग लेनदेन (ट्रांजैक्शन) में रुकावट की संभावना को देखते हुए सैलरी, मजदूरी और पेंशन के भुगतान में किसी भी तरह की देरी से बचने के लिए सरकार ने यह फैसला लिया है। 28 से 30 सितंबर तक होने वाली तीन दिन की देशव्यापी बैंक हड़ताल को देखते हुए, केंद्र सरकार के कर्मचारियों और पेंशनभोगियों को सितंबर, 2026 की सैलरी और पेंशन 25 सितंबर को ही मिल जाएगा। उल्लेखनीय है कि यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने 28-30 सितंबर की तीन-दिवसीय हड़ताल का आह्वान किया हुआ है। बैंक यूनियनों की मुख्य मांग में पांच कार्यदिवस वाले सप्ताह की व्यवस्था को लागू करने की है।



पोलैंड में न्यू ओबिली कांग्रेस 2026 में पेश किये गये इलेक्ट्रिक वाहन। इस प्रदर्शन में इलेक्ट्रिक वाहन के लाभ के बारे में बताया गया है। वहीं इससे शहरी क्षेत्र में आवागमन में होने वाली सक्षमिपत के बारे में भी बताया गया है ।

एशियाई खेल : साक्षी चौधरी 3-2 से हारी, परवीन वॉकओवर से क्वार्टर फाइनल में



आइची-नगोया, । भारतीय मुक्केबाज साक्षी चौधरी को एशियाई खेल-2026 में महिला 51 किग्रा वर्ग के मुकाबले में कजाखस्तान की बाल्किबेकोवा के खिलाफ 3-2 से हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ साक्षी का टूर्नामेंट में सफर समाप्त हो गया। मुकाबले के निर्णायक तीसरे राउंड में बाल्किबेकोवा ने आक्रामक शुरुआत करते हुए साक्षी पर दबाव बनाया। कजाख मुक्केबाज ने एक तेज अंडरकट लगाकर साक्षी के जबड़े पर प्रहार किया और शुरुआती बढ़त हासिल की। साक्षी ने वापसी की कोशिश करते हुए रिंग में लगातार दबाव बनाया और अपनी प्रतिद्वंद्वी के

एशियाई खेल 2026: महिला एकल स्कॉश के क्वार्टर फाइनल में आमने-सामने होंगी अनाहत और तन्वी

आइची-नगोया, । भारतीय स्कॉश खिलाड़ियों अनाहत सिंह और तन्वी खन्ना ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एशियाई खेल 2026 की महिला एकल स्पर्धा के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली है। दोनों भारतीय खिलाड़ियों को जीत के बाद अब क्वार्टर फाइनल में उनका आमना-सामना होगा। तीसरी वरीयता प्राप्त अनाहत सिंह ने सिंगापूर की ऑ यॉन्ग वाई लिन को सीधे तीन गेम में 11-4, 11-5, 11-7 से हराया। विश्व कप विजेता अनाहत ने मुकाबले की शुरुआत से ही हदबदा बनाए रखा और आसानी से क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। वहीं, तन्वी खन्ना ने सिंगापूर की ऑ यॉन्ग वाई यान को 5-11, 11-4, 11-5, 13-11 से हराकर अंतिम आठ में जगह बनाई। तन्वी को पहले गेम में हार का सामना करना पड़ा, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार तीन गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम किया। इस जीत के साथ महिला एकल स्कॉश में ऑल इंडिया क्वार्टर फाइनल तय हो गया है। अब अनाहत और तन्वी में से एक खिलाड़ी सेमीफाइनल में पहुंचेगी। एशियाई खेलों की स्कॉश स्पर्धा का विजेता 2028 लॉस एंजेलिस ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करेगा। स्कॉश 2028 ओलंपिक में पहली बार शामिल होगा। इससे पहले भारतीय जोड़ी जोशना चिनप्पा और वेलावन सेंथिलकुमार ने मिश्रित युगल के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। भारतीय जोड़ी ने हमवतन सूरज चंद और शमीना रियाज को 11-7, 11-10 से 2-0 से हराया।

महिला प्रीमियर लीग: मुंबई इंडियंस ने ल्यूक विलियम्स को बनाया मुख्य कोच

मुंबई। मुंबई इंडियंस ने आगामी महिला प्रीमियर लीग के 2027 सत्र से पहले ल्यूक विलियम्स को टीम का नया मुख्य कोच नियुक्त किया है। इसके साथ ही पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर लिसा काइटली की मुंबई इंडियंस के मुख्य कोच के रूप में जिम्मेदारी समाप्त हो गई है। मुंबई इंडियंस ने एक बयान में कहा कि लिसा काइटली के स्थान पर ल्यूक विलियम्स को नियुक्त किया गया है। टीम की सह-मालिक नीता एम. अंबानी ने विलियम्स का स्वागत करते हुए कहा कि उनके पास महिला क्रिकेट की गहरी समझ, समृद्ध अनुभव और खिलाड़ियों के विकास के प्रति मजबूत प्रतिबद्धता है। उन्होंने कहा कि टीम ने महिला प्रीमियर लीग में एक मजबूत विरासत बनाई है और उन्हें उम्मीद है कि विलियम्स के मार्गदर्शन तथा हरमनप्रीत कौर के नेतृत्व में टीम आगे भी विकास और सफलता हासिल करेगी। नीता अंबानी ने लिसा काइटली के योगदान के लिए उनका आभार भी जताया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं। नवनियुक्त मुख्य कोच ल्यूक विलियम्स ने कहा कि वह मुंबई इंडियंस से जुड़कर उत्साहित हैं। उन्होंने टीम के खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के साथ काम करने को लेकर खुशी जताते हुए कहा कि टीम के पास मिलकर कुछ खास तैयार करने, रोमांचक क्रिकेट खेलने और सफलता के लिए प्रतिस्पर्धा करने का शानदार अवसर है। विलियम्स को ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत में करीब दो दशक तक कोचिंग का अनुभव है। वह 2025 से इंग्लैंड की महिला टीम के सहायक कोच की भूमिका भी निभा रहे हैं। उन्हें 2005-06, 2007-08 और 2009-10 सत्र में ग्रेड क्रिकेट के लिए तीन बार ब्रैडमैन मेडल भी मिला था। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग के अब तक खेले गए चार सत्रों में दो बार खिताब जीता है। टीम ने 2023 और 2025 में हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में ट्रांफी अपने नाम की थी। हालांकि पिछले सत्र में टीम आठ मैचों में तीन जीत और पांच हार के साथ चौथे स्थान पर रही और प्लेऑफ में जगह नहीं बना सकी। पिछले सत्र का खिताब रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने दूसरी बार जीता था।

चेन्नई के अलावा देश के दूसरे सर्राफा बाजार में महंगा हुआ सोना, चांदी के भाव में बदलाव नहीं

रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,510 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 1,54,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 1,41,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 1,54,260 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 1,41,410 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 1,54,190 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 1,41,340 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में 24 कैरेट सोना 1,54,210 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22

ग्लोबल मार्केट से कमजोरी के संकेत, एशिया में भी बिकवाली का दबाव

नई दिल्ली। रोलोबल मार्केट से आज कमजोरी के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार पिछले सत्र के दौरान गिरावट के साथ बंद हुए। डाउ जॉन्स पयूचर्स भी आज कमजोरी के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार दबाव बना रहा। इसी तरह एशियाई बाजार में भी आज आमतौर पर बिकवाली होती हुई नजर आ रही है। बॉन्द यील्ड में उछाल आने की वजह से अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लगातार बिकवाली होती रही।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज मार्केट कैप के लिहाज से शीर्ष 10 कंपनियों में हुआ शामिल

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) ने गुरुवार को शेयर बाजार में धमाकेदार एंटी की है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर एनएसई का शेयर कारोबार के दौरान पांच फीसदी से अधिक चढ़ा। मामूली बढ़त के बाद एनएसई पर शुरुआत करने के साथ एनएसई बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) के लिहाज से शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गया है। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 16,67,750.07 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद भारतीय एयरटेल 11,32,338.92 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक 11,26,035.78 करोड़ रुपये, और एनएसई का बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपये है।

के शेयर 5.21 फीसदी बढ़कर 1,878 रुपये पर पहुंच गए। इससे एनएसई का बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपये रहा। इसके साथ ही ये बीएसई पर बाजार मूल्यांकन के लिहाज से शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियों में शामिल हो गया। बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के आंकड़ों के अनुसार शीर्ष 10 कंपनियों में रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 16,67,750.07 करोड़ रुपये रहा। इसके बाद भारतीय एयरटेल 11,32,338.92 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक 11,26,035.78 करोड़ रुपये, और एनएसई का बाजार मूल्यांकन 4,54,966.88 करोड़ रुपये है।

एनएसई के शेयर की लिस्टिंग एक ऐतिहासिक मील का पत्थर: आशीष चौहान

मुंबई। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) के प्रबंध निदेशक (एनडी) एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीओ) आशीष कुमार चौहान ने गुरुवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) में एनएसई के शेयर लिस्टिंग के अवसर पर कहा कि आज का दिन एनएसई के सफर में एक ऐतिहासिक मील का पत्थर है। चौहान ने यहां पत्रकार वार्ता में कहा कि एनएसई जैसी संस्थाएं जिंदगी में एक बार ही बनती हैं और इस स्टॉक एक्सचेंज ने देश के कैपिटल मार्केट को बदलने और भरोसे पर आधारित एक इकोसिस्टम बनाने में अहम भूमिका निभाई है। एनएसई भारत के भविष्य की उम्मीदों का प्रतिनिधित्व करता है और जो भारत के लिए अच्छा है, वह एनएसई के लिए भी अच्छा है। चौहान ने कहा, मैं सेबी, भारत सरकार, अपने निवेशकों और उन

सभी स्टेकहोल्डर्स का शुक्रिया अदा करता हूं, जिन्होंने इस सफर में भी हमारा साथ दिया है। जैसे ही हम इस नए अध्याय में कदम रख रहे हैं, हम भारत के कैपिटल मार्केट को मजबूत करने और भारत की विकास यात्रा में भी योगदान देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। एनएसई के शेयरों की बीएसई पर लिस्टिंग करीब एक फीसदी बढ़त के साथ हुई है। बीएसई पर इसका शेयर 1800 रुपये पर खुला, जो अपने निर्गम मूल्य से 0.84 फीसदी अधिक है। कारोबार के दौरान यह 3.36 फीसदी बढ़कर 1,845 रुपये पर पहुंच गया। एनएसई का बाजार मूल्यांकन 4,55,400 करोड़ रुपये रहा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1992 में बनी यह कंपनी कैश मार्केट में कुल टर्नओवर और इक्विटी डेरिवेटिव्स में कुल टर्नओवर के मामले में देश का सबसे बड़ा स्टॉक एक्सचेंज भी है।

राजधानी

बच्चों की देखभाल की सुविधा से पुलिस कर्मचारी निश्चिंत होकर कर सकेंगे कार्य : डीजीपी

महिला पुलिस कर्मियों के बच्चों की सुविधा के लिए वात्सल्य झुलाघर का हुआ शुभारंभ

भोपाल। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा अपने अधिकारियों एवं कर्मचारियों की पारिवारिक आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए पुलिस पब्लिक स्कूल, नेहरू नगर में महिला पुलिस कर्मियों के छोटे बच्चों की देखभाल के लिए 60 बच्चों की क्षमता वाले नवनिर्मित वात्सल्य झुलाघर (डे-केयर सेंटर) का पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा द्वारा शुभारंभ किया गया। झुलाघर की सुविधा से इयूटी के दौरान छोटे बच्चों की देखभाल को लेकर पुलिस अधिकारी-कर्मचारियों को सुविधा एवं राहत मिलेगी। इस अवसर पर पुलिस महानिदेशक श्री कैलाश मकवाणा ने कहा कि पुलिस विभाग में महिला आरक्षक, महिला सब इंस्पेक्टर, डीएसपी सहित विभिन्न रैंक के पर महिला अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन कर रही हैं। वर्तमान समय में पति-पत्नी दोनों के नौकरीपेशा होने की स्थिति भी सामान्य है।



पहले संयुक्त परिवार व्यवस्था में दादा-दादी अथवा परिवार के अन्य सदस्य बच्चों की देखभाल कर लेते थे, लेकिन बदलते समय में नौकरी के लिए परिवार से बाहर रहना पड़ता है। ऐसे में छोटे बच्चों की देखभाल एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के छोटे बच्चों की उचित देखभाल बहुत जरूरी है, ताकि वे निश्चित होकर अपने कर्तव्यों का निर्वहन कर सकें।

पुलिस सेवा की प्रकृति ऐसी है कि कई बार लंबी अवधि तक इयूटी करनी पड़ती है, देर रात तक इयूटी रहती है तथा त्योहारों के अवसर पर भी पुलिसकर्मियों को अपने दायित्वों का निर्वहन करना पड़ता है। ऐसी परिस्थितियों में झुलाघर जैसी सुविधा बच्चों को देखभाल सुनिश्चित करने के साथ ही पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपनी इयूटी पर बेहतर ढंग से ध्यान केंद्रित करने में सहयोग करेगी। पुलिस महानिदेशक

ने कहा कि बच्चों की देखभाल की समुचित व्यवस्था पुलिस परिवारों के लिए महत्वपूर्ण सुविधा है। इससे विशेष रूप से महिला पुलिस अधिकारी एवं कर्मचारी अपनी पारिवारिक जिम्मेदारियों और व्यावसायिक दायित्वों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित कर सकेंगी। झुलाघर के शुभारंभ अवसर पर विशेष पुलिस महानिदेशक अनिल कुमार, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक जयदीप प्रसाद, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक डी.श्रीनिवास वर्मा, अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक सोलोमन यश कुमार मिंज, भोपाल पुलिस आयुक्त संजय कुमार, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त श्रीमति मोनिका शुक्ला, पीएसओ दू डीजीपी डॉ.विनीत कपूर, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त शैलेन्द्र सिंह चौहान सहित वरिष्ठ पुलिस अधिकारी उपस्थित रहे। इसी अवसर पर पुलिस अधिकारियों एवं कर्मचारियों के परिवारों के लिए गरबा कार्यक्रम के आयोजन को लेकर बैठक भी आयोजित की गई, जिसमें कार्यक्रम की तैयारियों एवं अन्य व्यवस्थाओं के संबंध में चर्चा की गई।

सीहोर वृत्त में 2.32 करोड़ की लागत से बने 33/11 केवी उपकेंद्र ढाबला का राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा ने किया लोकार्पण

राष्ट्रीय गरिमा समाचार भोपाल। सीहोर वृत्त में क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में गुरुवार को ग्राम ढाबला में 33/11 केवी नवीन विद्युत उपकेंद्र का लोकार्पण राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा द्वारा किया गया। लगभग 2.32 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित इस उपकेंद्र के शुरू होने से आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में सुधार होगा। बिलकिर्सागंज वितरण केंद्र के अंतर्गत निर्मित इस उपकेंद्र को ऊर्जाकृत किया गया। यहां से तीन 11 केवी फीडर, जिनमें एक घरेलू एवं दो कृषि पंप फीडर शामिल हैं, वह प्रारंभ किए गए हैं। नवीन उपकेंद्र से रामखेड़ी, ढाबला, हीरापुर, पीपलनेर, किशनपुरा, नापली, चैनपुरा एवं सिर्कंदरगंज सहित आसपास के गांवों के उपभोक्ताओं को विद्युत आपूर्ति का लाभ मिलेगा। उपकेंद्र के प्रारंभ होने से घरेलू एवं कृषि उपभोक्ताओं को बेहतर एवं गुणवत्तापूर्ण विद्युत आपूर्ति उपलब्ध होने के साथ क्षेत्र की विद्युत व्यवस्था अधिक सुदृढ़ होगी। समारोह में नवीन 33/11 केवी उपकेंद्र ढाबला को प्राप्त दृक्छ



प्रमाण-पत्र भी माननीय राजस्व मंत्री श्री करण सिंह वर्मा द्वारा महाप्रबंधक श्रीमती पुनम तुमराग को मंच से प्रदान किया गया। उल्लेखनीय है कि सीहोर जिले में किसी विद्युत उपकेंद्र को पहली बार दृक्छ प्रमाण-पत्र प्राप्त हुआ है। इस अवसर पर विद्युत कंपनी के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे। कंपनी द्वारा क्षेत्र में विद्युत अधोसंरचना को मजबूत करने तथा उपभोक्ताओं को बेहतर एवं विश्वसनीय विद्युत आपूर्ति उपलब्ध कराने के लिए किए जा रहे कार्यों की जानकारी भी दी गई।

निगम द्वारा जल परीक्षण हेतु नमूने एकत्र करने तथा पाईप लाईनों के लीकेज सुधारने की कार्यवाही निरंतर जारी

भोपाल। नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर के नागरिकों को साफ-स्वच्छ एवं जीवाणु रहित जल उपलब्ध कराने हेतु पानी की गुणवत्ता की जांच हेतु जल के नमूनों का एकत्रीकरण व जल परीक्षण के साथ ही पाईप लाईनों के लीकेज सुधार एवं सी.एम.हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों का त्वरित निराकरण भी किया जा रहा है। इसी तारतम्य में निगम के अमले ने शहर के 83 स्थानों से जल के नमूने एकत्र किये साथ ही 08 स्थानों पर पाईप लाईनों के लीकेज सुधारे और विभिन्न माध्यमों से प्राप्त 06 शिकायतों का निराकरण भी किया। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निदेश पर निगम के जलकार्य विभाग के अमले ने गुरुवार को शास्वी नगर, रैदासपुरा, चिकलोद रोड, गुलमोहर कालोनी, अंरेरा कालोनी, सुभाष नगर, अशोक नगर, मुकहस नगर, मोमिनपुरा, गोतम नगर, शांति निकेतन, कांग्रेस नगर, चौबदारपुरा, बुधवारा, चौकसे नगर, अटल अयूब नगर, शक्ति नगर, राजदेव कालोनी, साईनाथ कालोनी, शांति नगर, दामखेड़ा, आर्कड पैलेस, अमरनाथ कालोनी, संजय नगर, अकबरपुर, गरीब नगर, भोपा नगरी, सौरभ नगर, साकेत नगर, नारायण नगर, मिसरोद, जाटखेड़ा, लहारपुर, बाबूगंगा कलां, पिपलिया पेदे खां, खजूरी कलां आदि क्षेत्रों से कुल 83 जल नमूने एकत्रित किए। इस प्रकार शहर में अब तक कुल 30628 जल के नमूने एकत्र किये गये, जिनमें झुगी बस्ती क्षेत्रों के अब तक 14053 नमूने भी सम्मिलित हैं, इन नमूनों का जल परीक्षण निगम की 08 परीक्षण शालाओं में निरन्तर किया जा रहा है।

अपहृत ढाई वर्षीय मासूम बालिका 6 घंटे में सीधी से सकुशल दस्तयाब

भोपाल। रीवा में ढाई वर्षीय मासूम बालिका के अपहरण की सूचना मिलते ही मध्यप्रदेश पुलिस ने संवेदनशीलता और तत्परता के साथ कार्रवाई करते हुए महज 6 घंटे के भीतर करीब 100 किलोमीटर दूर सीधी जिले के एक दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्र से बालिका को सकुशल दस्तयाब कर लिया। पुलिस टीम ने बालिका को सुरक्षित उसके परिजनों को सौंपते हुए अपहरण की घटना में शामिल 4 आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मासूम की सकुशल वापसी के लिए पुलिस टीम ने रात में ही लगातार सर्चिंग,घेराबंदी और समन्वित कार्रवाई करते हुए अभियान चलाया। 23 सितम्बर रात्रि करीब 8:30 बजे बालिका के परिजन द्वारा थाना समान में रिपोर्ट दर्ज कराई गई कि उनकी ढाई वर्षीय बालिका घर पर नहीं है तथा आसपास संभावित स्थानों पर तलाश के बाद भी उसका पता नहीं चल सका। मामले की गंभीरता को देखते हुए थाना समान में अपराध पंजीबद्ध कर तत्काल पुलिस टीम सक्रिय की गई। पुलिस द्वारा मुखबिर तंत्र को सक्रिय करने के साथ ही सीसीटीवी फुटेज का बारीकी से विश्लेषण किया गया। तकनीकी एवं मैदानी स्तर पर प्राप्त सुरागों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की गई। पृष्ठताछ में सामने आया कि बालिका को आंगनवाड़ी केंद्र से बोरी में रखकर दोपहिया वाहन से सीधी जिले की ओर ले जाया गया था।

रवीन्द्र भवन में गुंजेंगे सुनील के भजन,2 अक्टूबर को होगी भजन संध्या

भोपाल। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी और पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री की जयंती के अवसर पर 2 अक्टूबर को राजधानी भोपाल के रवीन्द्र भवन में विशेष भजन संध्या का आयोजन किया जाएगा। स्वराज संस्थान संचालनालय, संस्कृति विभाग, मध्यप्रदेश शासन द्वारा शाम 6.30 बजे आयोजित 'एकै राम रहीम भजन संध्या' कार्यक्रम में 'हनुमान अंश' फेम युवा भजन गायक सुनील लोधी और उनके दल द्वारा भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। मध्य प्रदेश के युवा भजन गायक सुनील लोधी ने कम समय में अपनी अलग पहचान बनाई है। 'हनुमान अंश' फिल्म के चर्चित गीत 'मैंने तेरे ही भरोसे हनुमान, सागर में नैया डार दर्द' से उन्हें विशेष लोकप्रियता मिली। उनकी विशिष्ट आवाज और लोक गायन की शैली ने श्रोताओं के बीच उन्हें अलग पहचान दिलाई है। सुनील लोधी को बचपन से ही गायन का शौक रहा है। उन्होंने गांव में होने वाले धार्मिक आयोजनों से भक्ति गीतों की प्रस्तुति शुरू की। इसके बाद उन्होंने ट्रेनों में भी भजन गाकर लोगों का ध्यान आकर्षित किया और अपनी गायकी के लिए प्रशंसा हासिल की। दुष्टिहीन होने के बावजूद सुनील लोधी ने अपनी प्रतिभा और आवाज के दम पर संगीत के क्षेत्र में पहचान बनाई। सोशल मीडिया के माध्यम से भी उनके भजन बड़ी संख्या में लोगों तक पहुंचे और उन्हें लोकप्रियता मिली।

भेल के दशहरा मैदान पर आज होगा मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा का शुभारंभ

केन्द्रीय मंत्री गडकरी होंगे मुख्य अतिथि, मुख्यमंत्री ने लिया तैयारियों का जायजा

भोपाल। प्रदेश में 25 सितंबर से सुगम यात्री परिवहन की दिशा में नया अध्याय लिखा जाएगा। लंबे अरसे बाद प्रदेश में सरकारी नियंत्रण में गांव से शहरों तक बसें दौड़ती नजर आएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी भोपाल के भेल दशहरा मैदान में आयोजित राज्य स्तरीय कार्यक्रम में 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा की शुरुआत करेंगे। इसको लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आज गुरुवार की शाम गोविंदपुरा, बीएचएल क्षेत्र में स्थित दशहरा



मैदान पहुंचकर शुरुवार को होने वाली मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के शुभारंभ कार्यक्रम की तैयारी का जायजा लिया। प्रदेश में

शहरों-गांवों में डायरेक्ट बस कनेक्टिविटी की शुरुआत के शुभारंभ का कार्यक्रम भव्य रूप में होगा। इस कार्यक्रम की तैयारियां पूर्ण हो गई हैं।

उमुख्यमंत्री डॉ. यादव और केंद्रीय सड़क, परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी बसों को हरी झंडी दिखाकर प्रदेशवासियों को सौगत देंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर नई बसों की विशेषताओं की जानकारी प्राप्त की और बसों में बैठकर भी आधुनिक तकनीक और यात्रियों के लिए की गई सुविधाओं का जायजा लिया। परिवहन सचिव श्री मनीष सिंह ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कार्यक्रम से जुड़ी आवश्यक जानकारीयों से अवगत करवाया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने राज्य स्तरीय कार्यक्रम के लिए तैयार किए गए मंच, सभा स्थल सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस अवसर पर भोपाल नगर निगम आयुक्त उपस्थित जैन सहित संबंधित विभागों के उपस्थित थे। मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा के शुभारंभ

अवसर पर प्रदेश के 7 शहरों की 351 इंटरसिटी और इंट्रासिटी बसों को एक साथ हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। इसमें इंदौर,भोपाल, जबलपुर, रीवा, देवास, कटनी और भिंड शामिल हैं। शुरुआती चरण में इंदौर इंट्रासिटी, भोपाल में 106 बसें जिसमें 23 इंटरसिटी और 83 इंट्रासिटी, जबलपुर के लिए 67 बसें जिसमें 14 इंटरसिटी और 53 इंट्रासिटी, रीवा में 18 इंटरसिटी बसें, देवास में 10 इंटरसिटी बसें, कटनी में 3 और भिंड में 2 इंटरसिटी बसों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा। प्रदेशवासियों को सुगम, सुरक्षित, आधुनिक और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से परिवहन विभाग द्वारा मुख्यमंत्री सुगम परिवहन सेवा शुरू

की जा रही है। इस सेवा से शहरी-ग्रामीण क्षेत्रों में बस कनेक्टिविटी को मजबूत किया जाएगा। प्रदेश की 75 इंटरसिटी तत्काल ग्राम पंचायतों से परिवहन सेवा का विस्तार किया जाएगा। शुभारंभ कार्यक्रम में परिवहन मंत्री उदय प्रताप सिंह, प्रभारी मंत्री भोपाल चैतन्य काश्यप, लोक निर्माण मंत्री राकेश सिंह, सहकारिता, खेल एवं युवा कल्याण मंत्री विश्वास सारंग, पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण, विमुक्त घुमनू और अर्द्धघुमनू कल्याण राज्यमंत्री श्रीमती कुष्णा गौर,सांसद आलोक शर्मा, महापौर श्रीमती मालती राय, विधायक हजूर रामेश्वर शर्मा, विधायक पैश्रम भगवान दास सबनानी सहित अन्य जनप्रतिनिधि सहित गणमान्य नागरिक व अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

पिछड़ा वर्ग विद्यार्थियों के लिए 13 हजार 500 करोड़ रुपये की राशि खर्च : मुख्यमंत्री यादव



मुख्यमंत्री ने 106 जिला स्तरीय पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों में किया आधुनिक मेस का लोकार्पण

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि पिछड़ा वर्ग के बालक-बालिकाओं को अब छात्रावास में गुणवत्तापूर्ण पौष्टिक भोजन प्राप्त होगा। प्रदेश सरकार ने विद्यार्थियों के कल्याण के लिए यह व्यवस्था लागू की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गत लगभग डेढ़ दशक में पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए 13 हजार 500 करोड़ रुपये की सहायता राशि खर्च की गई है। इन वर्षों में 5 करोड़ से अधिक पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को योजनाओं का सीधा लाभ मिला है, जो राज्य सरकार की प्रतिबद्धता का परिचायक है। मुख्यमंत्री डॉ.यादव मंत्रालय से वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से प्रदेश के 106 पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों

में 9000 विद्यार्थियों के लिए आधुनिक मेस सुविधा का लोकार्पण कर रहे थे। इस व्यवस्था पर 8 करोड़ 61 लाख रुपये की राशि व्यय हुई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस कार्य की सरहना करते हुए पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग को बधाई दी है। उन्होंने कहा कि बदलते दौर में छात्रावासों में आधुनिक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। युवा भारत में मध्यप्रदेश सबसे युवा राज्य है, जहां पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों को यह महत्वपूर्ण सुविधा उपलब्ध करवाई गई है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर इंदौर, शाजापुर, उज्जैन, देवास, शिवपुरी, सतना और अशोकनगर के पिछड़ा वर्ग छात्रावासों में रहने वाली बेटियों से बात की। छात्राओं ने कहा कि राज्य सरकार ने उन्हें यह उपयोगी सुविधा उपलब्ध करवाई है। अभी गैस सिलेंडर की व्यवस्था अथवा भोजन के लिए अन्यत्र जाने में

समय लगता था और खर्च भी अधिक हो जाता था। छात्राओं ने आधुनिक मेस सुविधा प्रारंभ करवाने के लिए मुख्यमंत्री डॉ. यादव को धन्यवाद दिया। पिछड़ा वर्ग कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्रीमती कुष्णा गौर ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पिछड़ा वर्ग के विद्यार्थियों के लिए महत्वपूर्ण पहल की। उन्होंने विभागीय छात्रावासों के समग्र विकास का संकल्प लिया, जिसे वे पूरा कर रहे हैं। टर्नकी प्रोजेक्ट के तहत छात्रावासों में आधुनिक किचन और डाइनिंग हॉल की व्यवस्था की गई है। अब छात्रावास में रहने वाले विद्यार्थियों को पौष्टिक और गुणवत्तापूर्ण भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है। ग्रामीण और दूरस्थ क्षेत्रों से आने वाले विद्यार्थियों के लिए यह सुविधा उपयोगी है, जो अपने परिवार से दूर रहकर पढ़ाई के लिए आते हैं और भोजन जैसी मूलभूत जरूरत की चिंता करते हैं। अब उनके परिवार पर आर्थिक बोझ भी कम होगा। राज्य मंत्री श्रीमती गौर ने कहा कि नियमित और पौष्टिक भोजन उपलब्ध होने से विद्यार्थी पढ़ाई के प्रति एकाग्र होंगे और ज्यादा अच्छे परिणाम प्राप्त करेंगे। प्रदेश में अभी लगभग 9000 पिछड़ा वर्ग छात्रावास हैं जिनमें 5200 बालकों और 3800 बालिकाओं के लिए रहने की सोट्स की शुरुआत की गई है। जिला स्तरीय पिछड़ा वर्ग पोस्ट मेट्रिक छात्रावासों के प्रारंभ होने के बाद पहली बार विद्यार्थियों के लिए मेस व्यवस्था शुरू हुई है। यह विभाग के कार्यों में एक ऐतिहासिक कदम भी है। लोकार्पण कार्यक्रम में विभिन्न जिलों में अनेक जनप्रतिनिधि भी शामिल हुए।

मानवता का महापर्व - विशाल रक्तदान शिविर - संत निरंकारी सत्संग भवन, बैरागढ़ में शनिवार को

बैरागढ़। सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज के आशीर्वाद से संत निरंकारी चरेटीबल फाउण्डेशन के तहत 26 सितम्बर शनिवार को प्रातः 9 बजे से सांय 5:00 बजे तक मानवता का महापर्व - विशाल रक्तदान शिविर



संत निरंकारी सत्संग भवन, स्कॉर्लेड गार्डन के पास, बैरागढ़ में शासकीय हमीदिया ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया है। शनिवार को आयोजित होने वाले इस मानवता के महापर्व के लिए ब्रांच संयोजक श्री महेश वीधानी द्वारा सभी से आग्रह किया गया है कि इस मानवता के परोपकार वाली सेवा में सहभागी बनकर स्वयं तो रक्तदान करें एवं दूसरों को भी रक्तदान करने के लिए प्रेरित करें, क्योंकि आपके द्वारा दिया गया एक यूनिट रक्त किसी पीड़ित की जान बचा सकता है और जो रक्तदान करता है, निश्चित रूप से उनकी पीढ़ियां सुखों की भागी बनती है। संयोजक श्री वीधानी ने बताया कि इस दुनिया में ऐसी कोई फैक्ट्री नहीं है जिसमें रक्त निर्मित होता हो, यह सीगाण केवल और केवल मानव शरीर को ही प्राप्त है और यह सही अवसर है कि हम रक्तदान करके किसी को जीवन दान दे सकते हैं ?। सतगुरु द्वारा दिये गये संदेश मानवता की सेवा में प्रतिफल समर्पित हों हमारा जीवन, ऐसी ही भावना से युक्त जीवन हम सभी ने जीना है। रक्त नार्डियों में बहे- नालियों में नहीं को चरितार्थ करना है। उल्लेखनीय है कि संत निरंकारी मिशन बैरागढ़ ब्रांच द्वारा वर्ष 2012 से निरंतर प्रतिवर्ष रक्तदान शिविर का आयोजन किया जा रहा है। वर्ष 2023 में मिशन की बैरागढ़ ब्रांच द्वारा 601 यूनिट, वर्ष 2024 में 485 यूनिट और वर्ष 2025 में 505 यूनिट का रक्तदान किया गया था। शनिवार को आयोजित होने वाले रक्तदान शिविर की सुंदर व्यवस्थाएं संचालक अशोक नाथानी, संचालिका निशा टेकवानी, शिक्षक विजय कुश्लानी, शिक्षिका सुषमा ग्वालाणी, सहायक शिक्षक विजय नाथानी सहित सेवादल के भाई-बहनों द्वारा की जाएगी।

नगर निगम ने हटाए शहर के विभिन्न क्षेत्रों से अतिक्रमण

भोपाल। नगर निगम द्वारा अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी क्रम में निगम के अतिक्रमण निरोधक दल ने सी.एम. हेल्पलाईन, महापौर हेल्पलाईन सहित अन्य माध्यमों से प्राप्त शिकायतों के निराकरण तथा निगम की नियमित कार्यवाही के तहत विभिन्न क्षेत्रों से अवैध रूप से बने टपरे, छप्पर, चबूतरे, नाली के ऊपर अवैध रूप से रखी फर्शियां, बड़ी संख्या में ठेले, गुमटी, पान पालर, कांटेर, बोर्ड, स्टूल, टेबिल, कुर्सी, आवागमन में बाधक दो एवं चार पहिया वाहन, फास्ट फूड गाड़ी, भवन निर्माण सामग्री, फुटपाथों पर अवैध रूप से लगाई गई सब्जी, फल, कपड़े आदि की दुकानें एवं दुकानों के बाहर रखा सामान के साथ ही विभिन्न स्थानों पर अतिक्रमण कर रखे गये कांटेर, बोर्ड, स्टूल, कुर्सी, टेबिल आदि को हटवाकर ठेले आदि जग किये। निगम आयुक्त श्रीमती संस्कृति जैन के निर्देश पर निगम के अतिक्रमण निरोधक दस्ते के दलों ने गुरुवार को सूरज नगर, जवाहर चौक, भारत माता चौराहा, न्यू मार्केट, लिंक रोड नंबर-1,2,3, नेहरू नगर, सेकेण्ड स्टॉप, नर्मदा भवन, साकेत नगर, रचना नगर, अमराई, अवधपुरी, अन्ना नगर, आईएसबीटी, शाहपुरा, कोलार डी-मार्ट, एम.पी.नगर, प्रेस काम्प्लेक्स, अशोका गार्डन, सुभाष नगर, जहांगीराबाद, पुष्पा नगर, रायसेन रोड, एम.एल.बी. कालेज, रॉयल मार्केट, बागमुंजी हुसैन खां, शाहजहांनाबाद, छोला,



लालघाटी आदि क्षेत्रों में अतिक्रमणों के विरुद्ध कार्यवाही करते हुए शहर के विभिन्न क्षेत्रों में अतिक्रमण कर बड़ी संख्या में लगाये गये ठेले, गुमटियां, पान पालर, कांटेर, बोर्ड, स्टूल, कुर्सी, टेबिल, दुकानों के बाहर रखा सामान, फुटपाथों पर अवैध रूप से लगाई गई सब्जी, फल, कपड़े आदि की दुकानों के अतिक्रमणों को हटाया। निगम अमले ने लालघाटी गुफा मंदिर क्षेत्र से 01 फास्ट फूड गाड़ी, अशोका गार्डन क्षेत्र से 02 लोडिंग आटो, शाहजहांनाबाद से आवागमन में बाधक 06 चार पहिया वाहन एवं छोला क्षेत्र से 02 चार पहिया वाहन, अमराई नाग मंदिर के पीछे से नाली के ऊपर से लेडबाथ का अतिक्रमण, साकेत नगर से अवैध रूप से लगा चाय का टपरा, अवधपुरी रिषीपुरम कालोनी में सड़क पर रखी भवन निर्माण सामग्री को हटवाने की कार्यवाही की।